दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

n वर्ष : 11 अंक : 133 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, मंगलवार 02 जून, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितिन नवीन से मुलाकात की

केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर प्रदेश के विकास को पंख लगाने के प्रयास

दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करके भजनलाल शर्मा ने सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों के बारे में फीडबैक दिया और विभिन्न विकास कार्यों के लिए केंद्र से आर्थिक स्वीकृति जारी करने की भी अपील की बताएं, पीएम मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात के दौरान राजस्थान में सत्ता और संगठन से जुड़े विषयों को लेकर की चर्चा, राज्यसभा चुनाव के लिए भी बातचीत की,दिल्ली दौरे में कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करके प्रदेश के विकास को गति देने के लिए केंद्र से आर्थिक स्वीकृति और कई बड़े प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के प्रयास

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जब भी दिल्ली जाते हैं प्रदेश के विकास के लिए कुछ ना कुछ नए प्रोजेक्ट और नई आर्थिक स्वीकृति लेकर ही लौटते हैं इसीलिए पिछले सवा दो साल में केंद्र सरकार के सहयोग से राजस्थान में अनेक बड़ी-बड़ी परियोजनाएं धरातल पर दिखाई दे रही हैं और प्रदेश का हर क्षेत्र में तेजी से विकास भी हो रहा है । सोमवार को सुबह एक बार फिर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दिल्ली गए जहां पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की मोदी से मुलाकात के दौरान भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में सरकार की ओर से किया जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, उद्योग,चिकित्सा, शिक्षा, महिला विकास, युवा विकास, रोजगार स्किल डेवलपमेंट इत्यादि क्षेत्रों में सरकार की ओर से किया जा रहे कार्यों और योजनाओं के बारे में पीएम मोदी को प्रभावित तरीके से फीडबैक दिया इसके अलावा आने वाले दिनों में केंद्र सरकार के सहयोग से राजस्थान में संपादित होने वाले विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी पीएम मोदी से चर्चा की गई और चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्र सरकार से विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों के लिए आर्थिक स्वीकृत की भी आवश्यकता बताई, पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान भजन लाल शर्मा ने राज्यसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की है राजस्थान में तीन सीटों को लेकर चुनाव होने वाले हैं और चुनाव की अधिसूचना भी सोमवार को जारी कर दी गई है इसलिए राज्यसभा में उम्मीदवारों के चयन को लेकर भी मोदी और शर्मा के बीच में बातचीत होने की बात कही जा रही है इसके अलावा दिल्ली में मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की मुलाकात के दौरान भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में सत्ता और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की । नितिन नवीन से भी मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्यसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की, चर्चा में राज्यसभा के उम्मीदवारों को लेकर भी नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री शर्मा से आवश्यक फीडबैक लिया । जानकारी के अनुसार दिल्ली में नितिन नवीन से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में पार्टी के संगठन और सत्ता से जुड़े विषयों को लेकर विस्तार से चर्चा की मुख्यमंत्री शर्मा ने सरकार की ओर से जनहित के लिए जो कार्य किया जा रहे हैं उनके बारे में भी विस्तार से जानकारी दी । इसके अलावा आने वाले समय में सरकार की ओर से प्रदेश में और क्या-क्या कार्य किए जाएंगे इसके बारे में भी नितिन नवीन को जानकारी उपलब्ध करवाई और कहा कि सरकार ने बजट घोषणाओं और संकल्प पत्र में जितने वादे किए थे उनमें अधिकांश वादे पूरे कर दिए गए हैं मुलाकात के दौरान नितिन नवीन ने भजनलाल सरकार की ओर से किए गए कार्यों को काफी सराहा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली की भी खूब प्रशंसा की। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान में पार्टी के संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर भी पार्टी हाई कमान से विस्तार से चर्चा की जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दिल्ली में कुछ केंद्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात का कार्यक्रम बताया जा रहा है जानकारी के अनुसार बाड़मेर की रिफाइनरी में आगजनी से जो नुकसान हुआ था वहां पर मरम्मत का करीब-करीब कार्य कंप्लीट हो गया है इसलिए सरकार जल्दी से जल्दी फिर से रिफाइनरी का शुभारंभ करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुलाने का कार्यक्रम तैयार करने में भजनलाल सरकार ने फिर से प्रयास शुरू कर दिए हैं इसलिए दिल्ली के दौर में भजन लाल शर्मा रिफाइनरी को लेकर भी संबंधित केंद्रीय मंत्री से चर्चा करने वाले हैं।इसके अलावा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण के कार्य, रामसेतु जल लिंक परियोजना यमुना समझोता ऐसे अनेक बड़े-बड़े प्रोजेक्ट और परियोजनाएं हैं जिन्हें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जल्दी से जल्दी संपादित करने के प्रयास में सरकारी स्तर पर कोई कमी बाकी नहीं छोड़ रहे इसलिए इन सब बड़े-बड़े प्रोजेक्ट को लेकर भी मुख्यमंत्री शर्मा दिल्ली में संबंधित केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करने वाले हैं ।

कोटा में छात्रों को पढ़ाई में परिवार जैसा माहौल मिलता है इसलिए यहां पढ़ने वाले छात्र टॉप आते हैं : ओम बिरला

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा में जेईई के टॉपर्स छात्रों से मुलाकात की मुलाकात के दौरान उन्होंने इस महत्वपूर्ण एग्जाम में सफलता हासिल करने वाले छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की और जिन छात्रों का इस बार सिलेक्शन नहीं हो पाया उन्हें मोटिवेट करते हुए ओम बिरला ने कहा कि असफलता में ही सफलता छुपी हुई रहती है इसलिए असफलता से कभी भी घबराना नहीं चाहिए बल्कि मनुष्य की जीवन में असफलता सफलता का संदेश लेकर आती है इसलिए उन्होंने छात्रों से पूरी मेहनत के साथ फिर से इस महत्वपूर्ण एग्जाम की तैयारी में जुट जाने को कहा। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए ओम बिरला ने कहा कि कोटा में शैक्षणिक का ढांचा काफी मजबूत है और यहां पर लगातार शैक्षणिक सुविधाओं और शैक्षणिक गतिविधियों में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है जिसकी वजह से पूरे देश के छात्र-छात्राएं यहां पर हाई प्रोफाइल एग्जाम की तैयारी के लिए आते हैं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पत्रकार से बातचीत करते हुए कहा कि यहां पर छात्रों को पढ़ाई के दौरान परिवार की तरह माहौल मिलता है जिसकी वजह से छात्र को कभी भी यहां पर अकेलापन महसूस नहीं होता और वह उत्साह के साथ पढ़ाई करता है इसके अलावा यहां पर कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई की बहुत ही प्रभावी व्यवस्था है इसलिए यहां का छात्र विभिन्न हाई प्रोफाइल एग्जाम में टॉप आते रहे हैं जो हम सबके लिए गर्व और खुशी की बात है पत्रकारों से बातचीत के दौरान ओम बिरला ने कहा कि कोटा का लगातार तेजी से विकास हो रहा है रेल सड़क वायु यातायात की कनेक्टिविटी में भी जबरदस्त सुधार हो रहा है और अब ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के निर्माण के शुरू होने के बाद कोटा शहर की हवाई कनेक्टिविटी में और भी मजबूती आएगी जिसकी वजह से कोटा का पर्यटन और उद्योग के अलावा शिक्षा के क्षेत्र में भी और तेजी से विकास होगा।

वायु सेना को मिलेंगे 114 राफेल: 94 विमानों का उत्पादन भारत में होगा, फ्रांस को भेजा खरीद का प्रस्ताव

जयपुर टाइम्स/नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत ने वायु सेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए फ्रांस को करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये के बड़े सरकारी समझौते का अनुरोध पत्र (एलओआर) भेज दिया है। यह रक्षा क्षेत्र में एक अहम कदम माना जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ सूत्रों ने बताया कि पिछले हफ्ते रक्षा मंत्रालय के अधिग्रहण विभाग ने यह अनुरोध पत्र फ्रांसीसी सरकार को भेजा। इस समझौते के तहत 114 में से 94 राफेल विमान भारत में बनाए जाएंगे। फ्रांसीसी कंपनी डसॉ एविएशन एक भारतीय साझेदार कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों का निर्माण करेगी। सूत्रों के अनुसार, फ्रांस अगले दो से तीन महीनों में भारत के अनुरोध पत्र का जवाब दे सकता है। दोनों देशों के बीच बातचीत पूरी होने और समझौते को अंतिम रूप देने में करीब एक साल का समय लग सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून के मध्य में फ्रांस की यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान फ्रांसीसी नेतृत्व के साथ होने वाली बैठकों में राफेल सौदे पर भी चर्चा होने की संभावना है वायु सेना इस समय लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रनों की कमी का सामना कर रही है। इस कमी को दूर करने के लिए उन्नत 4.5 पीढ़ी के राफेल विमानों को बड़ी संख्या में शामिल करने की योजना पर काम किया जा रहा है। भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना पहले ही कुल 62 राफेल विमानों का ऑर्डर दे चुकी हैं। 114 नए विमानों के ऑर्डर के बाद देश में राफेल विमानों की संख्या 176 हो जाएगी। इसके अलावा, भारतीय नौसेना समुद्री खतरों से निपटने के लिए 31 और राफेल विमानों को शामिल करने की इच्छा जता चुकी है। अगर ऐसा होता है, तो भारत में राफेल विमानों की संख्या 200 से अधिक हो जाएगी। 2024 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के कार्यभार संभालने के बाद रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना की क्षमता बढ़ाने के लिए एक विस्तृत अध्ययन कराया था। इसके बाद मंत्रालय इस दिशा में लगातार काम कर रहा है।

अजेय कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश भाजपा का संगठन और मजबूत होगा : भजन लाल शर्मा

भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार की नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया हर्ष

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा वरिष्ठ संगठनकर्ता एवं उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार को राजस्थान भाजपा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किए जाने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अजेय कुमार का संगठनात्मक अनुभव, कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण तथा कुशल नेतृत्व राजस्थान भाजपा संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी राजस्थान संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा संगठन विस्तार और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार के संगठनात्मक अनुभव और कुशल नेतृत्व में प्रदेश संगठन और अधिक सशक्त होगा। राजनीतिक एवं संगठनात्मक क्षेत्रों में अजेय कुमार को एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में वर्ष 1997 में श्रीनगर गढ़वाल से सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले अजेय कुमार ने संघ और भाजपा संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। श्रीनगर, हरिद्वार एवं हल्द्वानी में नगर प्रचारक, ऊधमसिंह नगर में जिला प्रचारक तथा अल्मोड़ा विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में कार्य करने के बाद उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद एवं बिजनौर विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में भी संगठन को मजबूत किया।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि इसके उपरांत उन्होंने मेरठ प्रांत के प्रांत बौद्धिक शिक्षण प्रमुख के रूप में कार्यकर्ताओं का वैचारिक मार्गदर्शन किया। वर्ष 2018 में उन्हें भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश का क्षेत्रीय महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया। वर्ष 2019 से अब तक वे उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) के रूप में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उत्तराखंड में उनके कार्यकाल के दौरान भाजपा संगठन ने अनुशासन, विस्तार, कार्यकर्ता संवाद, सदस्यता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय अभियानों के प्रभावी क्रियान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तार करने में उनकी भूमिका को व्यापक सराहना मिली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश महामंत्री संगठन की नियुक्ति पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान जैसे राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रदेश में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार की नियुक्ति उनके संगठनात्मक कौशल, प्रभावी नेतृत्व क्षमता और परिणाम देने वाली कार्यशैली की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है। यह निर्णय भाजपा नेतृत्व के उस विश्वास को भी दर्शाता है कि अनुभवी एवं सक्षम संगठनकर्ता ही संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं। भाजपा परिवार ने विश्वास व्यक्त किया है कि अजेय कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राजस्थान भाजपा संगठन और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं जनोन्मुखी बनेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आपके सफल, यशस्वी एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल हेतु हार्दिक मंगलकामनाएं! आपके व्यापक संगठनात्मक अनुभव, कार्यकुशलता एवं समर्पित नेतृत्व में प्रदेश संगठन और अधिक सशक्त होगा। इसके साथ ही भाजपा की विचारधारा, संगठन विस्तार और जनसेवा के संकल्प को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, नाहर सिंह जोधा, ?ज्योति मिर्धा, अल्का मूंदडा, सरिता गेना, बिहारी लाल विश्नोई, छगन माहुर, हकरू भाई मईडा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, भूपेंद्र सैनी, कैलाश मेघवाल, मिथिलेश गौतम सहित प्रदेश पदाधिकारियों तथा प्रदेश कार्यकर्ताओं ने संगठन महामंत्री की नियुक्त पर हर्ष व्यक्त किया।

लेबनान पर हमलों से भड़का ईरान, अमेरिका से बातचीत रोकी

जयपुर टाइम्स

तेहरान(एजेंसी) पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। ईरान ने लेबनान पर इस्राइली हमलों के विरोध में अमेरिका के साथ चल रही बातचीत को रोकने का फैसला किया है। ईरान का कहना है कि लेबनान में जारी हमले युद्धविराम का खुला उल्लंघन हैं। इसी के साथ ईरान समर्थित समूहों ने होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर के अहम समुद्री रास्तों को बंद करने की चेतावनी भी दी है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तेहरान ने साफ कहा है कि जब तक गाजा और लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई नहीं रुकती, तब तक अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। ईरान ने लेबनान से इस्राइली सेना की पूरी वापसी की भी मांग की है। वहीं अमेरिका की तरफ से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि तेहरान और उसके सहयोगी समूह अब होर्मुज जलडमरूमध्य और बाब-अल-मंदेब जलमार्ग पर दबाव बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। बाब-अल-मंदेब लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में स्थित अहम समुद्री रास्ता है।

राष्ट्रीय दिव्यांगजन पुरस्कार हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं समाज में उनकी सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 03 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दिव्यांगजन पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के D.O. No. Y-11020/15/2026-NA दिनांक 20.05.2026 एवं अतिरिक्त निदेशक, निदेशालय विशेष योग्यजन, जयपुर के पत्रांक 1260-61 दिनांक 27.06.2026 के अनुसार उत्कृष्ट दिव्यांगजन, व्यक्तियों एवं संस्थाओं को, जो दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं, राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय दिव्यांगजन पुरस्कारों के लिए आवेदन/नामांकन केवल ऑनलाइन माध्यम से आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक एवं संस्थाएं गृह मंत्रालय द्वारा डिजाइन किए गए संरक्षित केंद्रीकृत पोर्टल www.awars.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन नामांकन/आवेदन प्रक्रिया 15 मई 2026 से प्रारंभ हो चुकी है तथा आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए दिशानिर्देशों को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दृष्टि से सरल एवं तर्कसंगत बनाया गया है। संबंधित दिशा-निर्देश दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग की वेबसाइट www.depwd.gov.in पर उपलब्ध हैं। विभाग ने पात्र दिव्यांगजन, व्यक्ति एवं संस्थाओं से समयावधि में ऑनलाइन आवेदन/नामांकन करने की अपील की है।

वाहनों की विशेष जांच अभियान के तहत 3 जून तक चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी रवीन्द्र जोशी ने बताया कि आयुक्त परिवहन एवं सडक सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में विभिन्न श्रेणी के वाहनों में मोटरयान अधिनियम 1988 एवं केंद्रीय मोटरयान नियम 1989 के प्रावधानों के विपरीत वाहनों की संरचना में अवैध परिवर्तन, अनाधिकृत लाल बत्ती, नीली बत्ती, फ्लेशर, स्ट्रोब लाइट एवं हूटर, प्रेशर हॉर्न/एयर हॉर्न, वाहनों के शीशों पर काली फिल्म, वाहन पर अनाधिकृत शब्द, चिन्ह एवं लेखन तथा नियम विरूद्ध नम्बर प्लेट व अनाधिकृत पंजीयन चिन्ह के विरूद्ध विशेष जांच अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत वाहन मालिकों को तीन दिवस का समय दिया गया है तथा अभियान के अंतर्गत 3 जून तक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद 4 जून से ऐसे वाहनों के विरूद्ध सघन जांच अभियान चलाकर नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए चालन एवं वाहन जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। इस हेतु अलवर क्षेत्र में 3, बहरोड क्षेत्र में 2 एवं खैरथल-तिजारा क्षेत्र में 4 उडन दस्ते प्रवर्तन कार्रवाई हेतु तैनात किए गए हैं।

राजस्थान हैहयवंशी कलाल महासभा की आमसभा मीटिंग हुई संपन्न

शिवचरण हाड़ा अध्यक्ष, उत्तमचंद चौधरी मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष, पूनमचंद पटेल महामंत्री, संजय जायसवाल कोषाध्यक्ष एवं संजय लवाण ने ली सह सचिव पद की शपथ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.)। राजस्थान हैहयवंशी कलाल महासभा की जयपुर में आमसभा मीटिंग आयोजित की गई। बैठक के आयोजन से पूर्व महासभा के अध्यक्ष कन्हैया लाल पारेता ने अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में झंडारोहण किया। भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई। बैठक की अध्यक्षता महासभा के अध्यक्ष कन्हैया लाल पारेता ने की एवं सभापति राजेन्द्र मेवाडा, पाली (पूना) थे। मीटिंग में पधारे वरिष्ठ समाजसेवियों का साफा, माला एवं दुपटटा पहनाकर स्वागत किया गया।

कलाल महासभा के महामंत्री उत्तम चंद चौधरी ने पिछली बैठक में लिए गये निर्णयों एवं भवन निर्माण से संबंधित जानकारी दी। कोषाध्यक्ष सत्यनारायण चौधरी (उदयपुर) ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया।

हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष पूर्व विधायक हंगामी लाल मेवाड़ा ने नई कार्यकारिणी के लिए अध्यक्ष शिवचरण हाड़ा (जयपुर) मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष उत्तम चंद चौधरी, महामंत्री पूनम चंद पटेल (उदयपुर) कोषाध्यक्ष संजय जायसवाल (जयपुर), सह सचिव संजय जायसवाल लवाण के नामों के मनोनयन की घोषणा की। आमसभा में इसकी पुष्टि की गई। तत्पश्चात वरिष्ठ समाजसेवी एवं भामाशाह जय सिंह चौहान अध्यक्ष हंगामी लाल मेवाड़ा ने जय सिंह चौहान को चेयरमेन एवं राजेन्द्र कुमार मेवाड़ा पाली (पूना) को वायस चेयरमेन हाई पावर कमेटी नियुक्त करने की घोषणा कर इसकी आमसभा में पुष्टि की गई। कमेटी के अन्य सदस्यों की घोषणा अध्यक्ष द्वारा बाद में की जायेगी ।

बैठक में कई वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये । बैठक में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत चर्चा करने के बाद शिक्षा फण्ड बनाने का निर्णय लिया गया। यूपीएससी/आरपीएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने वाले आर्थिक रूप से कमजोर समाज के प्रतिभावना विद्यार्थियों के लिए इस फण्ड का उपयोग किया जाये ताकि समाज से ज्यादा से ज्यादा आईएएस/आरएएस बन सके। कार्यक्रम में महासभा के पूर्व अध्यक्ष जगदीश स्वरूप मेवाड़ा का जन्म दिन केक काटकर मनाया एवं पधारे सभी स्वजातीय बंधुओं ने अपनी शुभकामनाएं दी इस कार्यक्रम में भोजन की व्यवस्था जगदीश स्वरूप मेवाड़ा की तरफ से रही। बांसवाड़ा से आए हरीश कलाल ने सभी वरिष्ठ समाजसेवियों को तलवार भेंट की।

वही नवनियुक्त हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष जय सिंह चौहान ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए समाज से अपील करते हुए कहा कि समाज के जो ग्रुप बने हुए हैं वह सब अपनी सोच को बदलें और एकता का परिचय देते हुए एकजुट हो जिससे हमारे समाज का कायाकल्प हो सके और और समाज का उत्थान हो सके तथा समाज आगे बढ़े।

नवनियुक्त प्रांतीय अध्यक्ष शिवचरण हाड़ा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो आप लोगों ने गुलाब का फूल तैयार करके दिया है उसके लिए मैं आपसे वादा करता हूं कि मैं तन, मन, धन से समर्पित रहकर इस फूल की पंखुड़ियां को मुरझाने नहीं दूंगा और चार चांद लगाने की कोशिश करूंगा।

मीटिंग में पूर्व विधायक प्रकाश चौधरी, जगदीश स्वरूप मेवाड़ा, नारायण पटेल, राजेन्द्र कुमार मेवाडा पाली (पूना), सत्यनारायण चौधरी, लोकेश चौधरी, हरीश कलाल, रामस्वरूप विजयनगर, राजूजी देवगढ़, अनिल प्रताप मेवाड़ा, ललित सुवालका, माया सुवालका, कंचन हाड़ा, सुमन जायसवाल, कमल किशोर, गिरिराज कटारिया, के.एन.गुप्ता, ओम प्रकाश (दूरदर्शन), सत्यनारायण सवाईमाधोपुर, हरिओम हाड़ा, डा. ओम प्रकाश सांगानेर, विनोद जायसवाल, गोविन्द नारायण, प्रकाश हाड़ा, सुरेन्द्र सिंह, राकेश सेठी, राजपाल सिंह, राम लाल वर्मा, केदार जायसवाल, जुगल किशोर जायसवाल, रामरतन मेवाड़ा, कपिल सोलंकी, बोनीजी, गिरवर चौधरी, मोहन लाल पटेल आदि गणमान्य स्वजातीय बंधुओं के अलावा छात्रावास में निवास करने वाले विद्यार्थी उपस्थित थे। अंत में अध्यक्ष की अनुमति के बाद मीटिंग का समापन किया गया।

(अजमेर) ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनियुक्त अध्यक्ष शिवचरण हाड़ा की अनुशंषा के उपरांत हाई पावर कमेटी के

सचिव ने किया जेजेबी का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व जिला न्यायाधीश बन्नालाल जाट के निर्देशन में प्राधिकरण के सचिव उमेश वीर ने सोमवार को राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सम्प्रेषण व सुरक्षित गृह में विधि से संघर्षरत बालकों से वार्तालाप कर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बालकों से उनके प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बालकों को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जिन बालकों के प्रकरणों में पैरवी के लिए अधिवक्ता नियुक्त नहीं है, वे निशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बालकों से उनके प्रकरणों में जमानत, अपील आदि के बारे जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उमेश वीर ने शिशु गृह का भी निरीक्षण किया और उपस्थित स्टाफ को समय समय पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण करवाने सहित उनके खान पान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। सचिव ने रसोई घर का भी निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बालकों को उचित गुणवत्ता वाला भोजन दिया जावे। उपस्थित डॉक्टरों को भी निर्देश दिए कि वे समय समय पर बालकों व शिशु के स्वास्थ्य की जांच करते रहे। इस दौरान अधीक्षक मोर कंवर, केयर टेकर लकमाराम, डाक्टर बाबूलाल व डॉक्टर सूरज राजपुरोहित, न्याय मित्र प्रवीण कुमार आदि मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने की वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, जल संरक्षण जन भागीदारी अभियान एवं नरेगा कार्यों की समीक्षा

अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव व शहरी वार्ड में जल संरक्षण से जुड़ी अधिकाधिक गतिविधियां कराने के दिए दिशा-निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कलक्ट्रेट सभागार में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, जल संरक्षण जन भागीदारी अभियान एवं नरेगा कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की विस्तृत समीक्षा कर कहा कि राज्य सरकार के निर्देशन पर वर्षा जल की बूंद-बूंद के संचयन हेतु 5 जून तक संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत सामूहिक जन सहभागिता से जल संरक्षण से संबंधित कार्य किए जा रहे है। उन्होंने जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय के वार्डों में प्रतिदिन जल संरक्षण से जुडी अधिकाधिक गतिविधियां करावे, जिनमें जलाशयों, नालों, बहाव क्षेत्र की साफ-सफाइ, पौधारोपण हेतु गड्ढे खुदाई व मरम्मत आदि की जावे तथा इस अभियान में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जल संरक्षण के प्रति जागरूकता गतिविधियां करावे।

उन्होंने जल संरक्षण जन भागीदारी अभियान की समीक्षा कर निर्देश दिये कि अभियान के तहत स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में पूर्ण करावे। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन विभाग के स्वीकृत कार्यों को सात दिवस में पूर्ण करावे। उन्होंने नरेगा के कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि जिले में एक्टिव जोब कार्डों के कम से कम 80 प्रतिशत श्रमिकों को नरेगा कार्यों से जोडे। उन्होंने निर्देश दिये कि नरेगा अंतर्गत कराए जाने वाले नियमित कार्यों के साथ-साथ जल संरक्षण के तहत जल संचयन संरचनाओं के जीर्णोद्धार/मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि नरेगा कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यों को समयबद्ध रूप में पूर्ण करावे। उन्होंने एडीएम द्वितीय को निर्देशित किया कि सभी कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग करे। साथ ही विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करावे। बैठक में एडीएम द्वितीय बीना महावर, वाटरशेड विभाग के अधीक्षण अभियन्ता नरेन्द्र मोथू, सीडीईओ महेश मेहता, मनरेगा के अधिशासी अभियन्ता नरेन्द्र लाखीवाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने ली जिला जल प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक

जिले में सुचारू पेयजल आपूर्ति हेतु अधिकारी प्रो-एक्टिव रहकर कार्य करें - जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में जिला जल प्रबंधन समिति की बैठक लेकर जिले की पेयजल आपूर्ति की समीक्षा कर जलदाय विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल आपूर्ति सुचारू रखने हेतु सरकार द्वारा कंटेंजेंसी फण्ड जलदाय विभाग को उपलब्ध कराया जाता है। अतः सभी अधिकारी प्रो-एक्टिव रहकर सुनिश्चित करें कि जिले में पेयजल आपूर्ति सुचारू रहे। पेयजल आपूर्ति कार्य में अनावश्यक विलम्ब बर्दाश्त नहीं होगा। लापरवाही बरतने वाले अधिकारी व कार्मिक के विरूद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अलवर शहर में पेयजल आपूर्ति में सुधार हुआ है, इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में भी पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ करें। उन्होंने फील्ड मॉनिटरिंग व्यवस्था को मजबूत करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने निर्देशित किया कि पेयजल आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने पर पेयजल आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था तत्काल करें। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल टैंकर पर्याप्त संख्या में संचालित करे। पेयजल उपकरण खराब होने एवं पेयजल लाइन लीकेज होने पर तत्काल उसे दुरूस्त करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि हर घर जल सर्टिफिकेशन से शेष रहे गांवों को आगामी 5 जून को आयोजित होने वाली ग्राम सभा में सर्टिफिकेशन का कार्य संबंधित सहायक अभियन्ता विकास अधिकारी से समन्वय स्थापित कर पूर्ण करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन गांवों का सर्टिफिकेशन कार्य पूर्ण हो चुका है लेकिन पोर्टल पर वीडियो अपलोड नहीं हुए है। उन सभी गांवों के पोर्टल पर वीडियो आगामी एक सप्ताह में अपलोड करना सुनिश्चित करें। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी सहित समस्त अधिशासी अभियन्ता एवं सहायक अभियन्ता मौजूद रहे।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

25 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 17 केन्टर सामान जब्त

जयपुर(निसं.) नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बड़ी चैपड़, जौहरी बाजार, संजय बाजार सब्जी मंडी सांगानेरी गेट, अग्रवाल कॉलेज के सामने घाटगेट रोड़, सोफियां स्कूल के पास घाटगेट, ट्रांसपोर्ट नगर, पुराना घाट, दिल्ली बाईपास रोड़, बंगाली बाबा की बगीची, इंडिया गेट सीतापुरा रीको, श्योपुर रोड़, रीको पुलिया मानसरोवर सांगानेर, रामपुर फाटक, रिद्धि सिद्धि से मोहन नगर कट तक, किंग्स रोड निर्माण नगर मानसरोवर तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 25 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 17 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बड़ी चैपड़, जौहरी बाजार, संजय बाजार सब्जी मंडी सांगानेरी गेट, अग्रवाल कॉलेज के सामने घाटगेट रोड़, सोफियां स्कूल के पास घाटगेट, ट्रांसपोर्ट नगर, पुराना घाट, दिल्ली बाईपास रोड़, बंगाली बाबा की बगीची, इंडिया गेट सीतापुरा रीको, श्योपुर रोड़, रीको पुलिया मानसरोवर सांगानेर, रामपुर फाटक, रिद्धि सिद्धि से मोहन नगर कट तक, किंग्स रोड निर्माण नगर मानसरोवर तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 17 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 25 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

एकल श्रीहरि संस्कार शिक्षा के 15 दिवसीय नव चैतन्य वर्ग का विधिवत हुआ समापन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शिक्षित, संस्कारवान व समृद्ध भारत की संकल्पना के साथ कार्य कर रहे एकल अभियान की एकल श्रीहरि संस्कार शिक्षा के 15 दिवसीय नव चेतना वर्ग का विधिवत समापन हुआ। स्कीम 2 लाजपत नगर स्थित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय में ये वर्ग विगत 18 मई से विभिन्न सत्रों में आयोजित हो रहा था। प्रभात फेरिया, विषय ज्ञान, बौद्धक सत्र, शाखा सत्र के साथ सत्संग सत्रों के माध्यम से राजस्थान के 5 जिलों से आये 25 वनवासी कार्यकर्ताओ को साधक बनाकर संगठन द्वारा राजस्थान के अंचलो में संस्कार शिक्षा के कार्य में लगाया जायेगा। एकल के केंद्रीय अधिकारी खेमानन्द जी, संत चेतना पुरी जी महाराज, पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा, योग गुरु बृजमोहन पाठक, अंचल अध्यक्ष रमाकांत कौशिक के द्वारा प्रातः 11 बजे दीप प्रज्ज्वलन किया गया। समापन सत्र में वर्ग मुख्य शिक्षक नन्द कुमार ने वर्ग की प्रस्तावन पर प्रकाश डालते हुए बताया की 15 दिवस में कुल 135 सत्रों के जरिये जो कार्यक्रम हुए उन्हें सार्वजनिक किया गया एकल के संगठन मंत्री राम दयाल ने बताया की किन परिस्थितियों में एकल श्रीहरी संगठन की स्थापना 1989 में झारखण्ड के धनबाद से हुई। वर्ग संयोजक व संगठन के युवा प्रभारी सौरभ कालरा ने आये हुए सभी अतिथियों व भामाशाहो का स्वागत सम्मान कराते हुए मंच संचालन किया। अंत में संगठन के मुकेश अग्रवाल व पवन गोयल ने सभी का धन्यवाद प्रेषित किया वर्ग के सफल आयोजन में मुकेश अग्रवाल, गिरधारी मिश्रा, सुरेन्द्र लौटा, दिनेश, गुलाब सैनी, धनपाल, अंकित यादव, नीलम अरोड़ा, सहित कई कार्यकर्ताओ ने भूमिका निभाई।

जिला कलक्टर ने कि विभिन्न योजनाओं एवं अभियानों की प्रगति की समीक्षा

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। जिला कलक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सचिवालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, परियोजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में जिला कलेक्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े सभी उपखंड अधिकारियों को फार्मर रजिस्ट्री अभियान में निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित पेंशन सत्यापन प्रकरणों को आगामी एक सप्ताह में पूर्ण करने तथा तिजारा खंड में सर्वाधिक लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश प्रदान किए। जनगणना से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने टपूकड़ा, नगर पालिका टपूकड़ा एवं नगर परिषद भिवाड़ी क्षेत्र में अपेक्षाकृत कम प्रगति पर संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को नियमित रूप से पटवारियों की बैठक आयोजित करने तथा सीएलएफ भवनों के चिन्हीकरण हेतु क्षेत्र भ्रमण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

जिला कलेक्टर ने सार्वजनिक निर्माण विभाग की सड़कों का डिमार्केशन कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वहीं वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रमों के अनुरूप गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने समर कंटीजेंसी योजना से संबंधित शेष एक कार्य को विद्युत विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। संपर्क पोर्टल की समीक्षा के दौरान जिला कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को जिला स्तर पर पुनः खोले गए प्रकरणों में परिवादियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जीएसएस एवं चंबल परियोजना से संबंधित भूमि आवंटन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, उप अधीक्षक लालसिंह यादव, उप अधीक्षक तिजारा शिवराज, सहायक निदेशक वेद प्रकाश सैनी, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी ओमप्रकाश किराड, संयुक्त निदेशक वीरेंद्र त्यागी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट, समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग धर्मवीर यादव, उपनिदेशक उद्यानिकी गोपाल मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपखंड अधिकारी एवं अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

रूफ टॉप सौर ऊर्जा में बढ़ रही भागीदारी, मई माह में अब तक का सर्वाधिक इंस्टॉलेशन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) *प्रदूषण रहित सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान की भागीदारी बढ़ रही है। बिजली बिल पर खर्च से मुक्ति पाने के लिए विद्युत उपभोक्ता सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं। योजना के अन्तर्गत हाल के मई माह में प्रदेश में रिकॉर्ड 26,632 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। फरवरी 2024 में योजना शुरू होने के बाद यह प्रदेश में किसी भी एक माह का अब तक का सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन है। इसके अन्तर्गत जोधपुर डिस्कॉम में 9,316, जयपुर डिस्कॉम में 9,204 तथा अजमेर डिस्कॉम में 8,112 उपभोक्ताओं ने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर ऊर्जा सुरक्षा की ओर कदम बढ़ाए हैं। इस दौरान सर्वाधिक 5484 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र जयपुर जिले में इंस्टॉल हुए हैं। इसके पश्चात् श्रीगंगानगर में 3264, हनुमानगढ़ में 2084, सीकर में 1606 तथा झुंझुनूं में 1534 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए।*

भाजपा विधायक राजेंद्र मीणा ने नयागांव में दीपोत्सव के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

जयपुर टाइम्स

दौसा/जयपुर (निसं.)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत महवा क्षेत्र के ग्राम नयागांव स्थित तलाई पर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामवासियों एवं मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान महवा विधायक राजेंद्र मीणा ने तलाई पर दीपदान कर जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के बिना भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं समृद्ध जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने जल स्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग को समय की आवश्यकता बताया। इस अवसर पर ग्रामवासियों एवं महिलाओं को जल संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जल बचत और सामुदायिक सहभागिता का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में अभियान के जिला सहसंयोजक घनश्याम मीना, भगवान सहाय, अधिशासी अधिकारी प्रमोद शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पोर्टल पर आवेदन प्रदर्शित नहीं होने वाले आवेदकों को राहत, 8 जून तक दे सकेंगे प्रार्थना पत्र

जयपुर टाइम्स

दौसा/जयपुर(निसं.)। नगर विकास न्यास (यूआईटी) दौसा-बांदीकुई की ओर से संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर आवासीय योजना में तकनीकी कारणों अथवा अन्य किसी वजह से आवेदन पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं होने वाले संबंधित आवेदक 8 जून तक प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं। न्यास के सचिव मूलचंद लूनिया ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत आवासीय भूखंडों के आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। यदि किसी आवेदक ने आधिकारिक पोर्टल पर सफलतापूर्वक आवेदन किया है, लेकिन तकनीकी कारणों अथवा अन्य किसी वजह से उसका आवेदन पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहा है, तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी समस्या का समाधान करा सकता है।न्यास सचिव ने बताया कि ऐसे आवेदक सबसे पहले न्यास की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने आवेदन की स्थिति का पुन: अवलोकन करें। यदि इसके बाद भी समस्या बनी रहती है तो वे किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान नगर विकास न्यास (यूआईटी) कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिन आवेदकों का आवेदन पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहा है वे 8 जून तक अपना प्रार्थना पत्र आवेदन के प्रमाण एवं भुगतान रसीद के साथ न्यास की ई-मेल आईडी uitdausabandikui@rajasthan. gov.in पर भेज सकते हैं। इसके अतिरिक्त आवेदक निर्धारित तिथि तक कार्यालय समय में यूआईटी कार्यालय में उपस्थित होकर भी अपना आवेदन संबंधी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। न्यास प्रशासन द्वारा प्राप्त प्रार्थना पत्रों की जांच कर तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान करते हुए संबंधित आवेदनों को रिकॉर्ड में अपडेट करने की कार्रवाई की जाएगी। न्यास ने आवेदकों से अनुरोध किया है कि वे जांच प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए आवेदन की प्रति, भुगतान रसीद तथा वैध पहचान पत्र अपने साथ अवश्य रखें।

सनातन धर्म और मंदिरों के लिए शुरू से ही समर्पित रही है हमारी सरकार, भैराणाधाम पवित्र स्थल : कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पिछले कई दिनों से भैराणा धाम के साधु संतों की ओर से इलाके में रिको औद्योगिक क्षेत्र के विकसित करने के विरोध में किए जा रहे प्रदर्शन और आंदोलन को लेकर प्रदेश की भजन लाल सरकार काफी गंभीर और संवेदनशील नजर आ रही है भजनलाल सरकार का यह प्रयास है कि साधु संत भी राजी हो जाएं और इलाके में औद्योगिक गतिविधियां भी संपादित हो ताकि प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होने के साथ-साथ प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र को और गति मिल सके इसलिए सरकार चाहती है कि आपस की बातचीत के माध्यम से एक बेहतर तालमेल और समन्वय से यह मामला शांत हो जाए। इसीलिए सोमवार को गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह के सरकारी आवास पर इस आंदोलन से जुड़े साधु संतों के एक प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया गया बातचीत में जिला कलेक्टर संदेश नायक, पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश भी मौजूद रहे बैठक में कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा भी मौजूद थे। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा ने पत्रकारों को बताया कि बातचीत में ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगा कि साधु संत इलाके में औद्योगिक क्षेत्र के विकसित होने का विरोध कर रहे हैं ।साधु संत भी यह चाहते हैं कि इलाके में पर्यावरण का संतुलन बना रहे हरियाली बनी रहे और साथ-साथ औद्योगिक इकाइयां भी विकसित हो ।गोदारा ने कहा कि साधु संतों ने अपनी बातें बैठक में रखी हैं और सरकार बीच का रास्ता निकालकर इस मामले को शांतिपूर्वक तरीके से सुलझाना चाहती है ताकि इलाके में औद्योगिक क्षेत्र की विकसित हो और साधु संतों को भी किसी भी तरह की कोई आपत्ति नहीं हो और इलाके में पर्यावरण संतुलन भी बनारहे सुमित गोदारा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा सनातन धर्म, सभ्यता, संस्कृति और मंदिरों के प्रति समर्पित और सेवा भाव से काम करती रही है इसलिए भैराणा धाम पवित्र स्थान है और हमारी सरकार इस पवित्र स्थान को लेकर संवेदनशील है उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश भर में मंदिरों के विकास और कल्याण के लिए काम कर रही है इसके अलावा प्रदेश भर में वृक्षारोपण अभियान को शानदार तरीके से संपादित किया जा रहा है तो फिर यह कैसे हो सकता है कि हमारी सरकार पर्यावरण और पवित्र धार्मिक स्थलों के खिलाफ कोई कदम उठाए । उन्होंने कहा कि इस विवाद को सुलझाने के लिए सब कमेटी का गठन किया जा रहा है जिसमें साधु संतों को भी शामिल किया जाएगा और इस मामले को आपस की बातचीत के माध्यम से सुलझा लिया जाएगा जिसमें किसी भी पक्ष को किसी भी तरह की कोई आपत्ति नहीं होगी ।

किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने के लिए किया प्रेरित

जयपुर टाइम्स

दौसा/जयपुर(कासं.) । राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत सोमवार को लवाण मोड़ स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में जिला स्तरीय किसान संगोष्ठी एवं सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी गई और विभागीय योजनाओं का लाभ अधिकाधिक किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का आधार है। वर्तमान में गिरते भूजल स्तर को देखते हुए जल का विवेकपूर्ण उपयोग समय की मांग है। किसानों को ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई सहित कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने किसानों से जल संरक्षण को जन आंदोलन

बनाने का आह्वान किया। अभियान के जिला संयोजक महेंद्र पीलोड़ी एवं सहसंयोजक बनवारी बड़ागांव ने भी जल स्रोतों के संरक्षण और जनभागीदारी की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने किसानों को विभागीय योजनाओं, अनुदान, सॉइल हेल्थ कार्ड, सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं एवं उन्नत कृषि पद्धतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा जल स्रोतों के संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से जल बचत और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है, जिससे भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सके। इस अवसर पर जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मीणा, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार रामराज मीणा, सहायक निदेशक कृषि विस्तार अशोक कुमार मीणा, सहायक निदेशक कृषि मुख्यालय सुज्ञान सिंह गुर्जर, उपनिदेशक उद्यान विभाग जगदीश प्रसाद मीणा, उपनिदेशक आत्मा विजेन्दर मीणा, कृषि अधिकारी थान सिंह, अंजलि शर्मा, सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षक उपस्थित थे। इनके अलावा सरोज मीणा, किशोर लाल, रवि लक्षकार, हनुमान पंचोली तथा रामफूल कंवरपुरा सहित लवाण मोड़ एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा विधायक कल्पना देवी ने अधिकारियों को लगाई फटकार और कहा बाड़मेर भेजना पड़ेगा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कोटा में लाडपुरा विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी की विधायक कल्पना देवी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जबरदस्त संबंधित विभाग के अधिकारियों को जबरदस्त फटकार लगाई और कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को अब बाड़मेर भेजना पड़ेगा जानकारी के अनुसार कल्पना देवी निर्वाचन क्षेत्र के किशनपुर बालापुरा लिफ्ट परियोजना के संबंध में किया जा रहे कार्यों को लेकर संतुष्ट नहीं थी किसानों ने इस योजना को लेकर गहरी नाराजगी जताई थी इसके बाद इस परियोजना को लेकर कल्पना देवी ने किसानों के साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ बातचीत की बातचीत के दौरान कल्पना देवी ने किशनपुरा बालापुरा लिफ्ट परियोजना के कार्यों में देरी होने पर गहरी नाराजगी और आक्रोश प्रकट किया और कहा कि यह मामला किसानों से सीधा जुड़ा हुआ है और किसानों के लिए हमारी सरकार समर्पित फल से गहरी नाराजगी और आक्रोश प्रकट किया और कहा कि यह मामला किसानों से सीधा जुड़ा हुआ है और किसानों के लिए हमारी सरकार समर्पित तरीके से कार्य कर रही है लेकिन अगर कोई अधिकारी किसानों से जुड़े कार्यों में लापरवाही और देरी करेगा तो हम इसको बर्दाश्त नहीं करेंगे और ऐसे अधिकारियों को बाड़मेर में ही भेजना पड़ेगा मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक कल्पना देवी ने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार और प्रदेश में भजनलाल

सरकार किसान युवा महिला और मजदूर इन सभी को लेकर काफी गंभीर और संवेदनशील है और इन चारों वर्गों की भलाई और कल्याण के लिए हमारी सरकार ने लगातार अच्छा कार्य किया है और पिछले सवा दो साल में किसान,महिला, युवा और मजदूर वर्ग के लिए अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं शुरू की है भाजपा विधायक कल्पना देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश की जनता की समस्याओं को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों को गति दिए हुए हैं उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के पास जब भी निर्वाचन क्षेत्र की कोई मांग रखी जाती है तो उस मांग को मुख्यमंत्री तुरंत मंजूरी प्रदान करते हैं उन्होंने कहा कि अधिकारियों को भी सरकार के विजन को पूरा करने में समर्पित भाव से काम करना होगा और उनके निर्वाचन क्षेत्र में अगर कोई अधिकारी अपने काम में लापरवाही करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।

दोसा बांदीकुई नगर विकास न्यास क्षेत्र में इस साल 50 हजार पौधारोपण का लक्ष्य : जिला कलेक्टर सौम्या झा

जयपुर टाइम्स

दौसा/ जयपुर(कासं.)। दौसा-बांदीकुई नगर विकास न्यास की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर एवं न्यास अध्यक्ष डॉ. सौम्या झा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में इस साल 50 हजार पौधारोपण का लक्ष्य पूरा करने सहित विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। सर्वप्रथम गत बैठक की कार्यवाही विवरण की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस वर्ष न्यास क्षेत्र में 50 हजार पौधे लगाने के लक्ष्य पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके तहत प्रथम चरण में 11 हजार पौधों के रोपण की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। जिला कलक्टर ने शेष पौधारोपण के लिए भी शीघ्र विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों के पार्कों, प्रमुख सड़कों तथा जल स्रोतों के आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में रीको, सार्वजनिक श्मशान, विद्यालय खेल मैदान एवं अन्य

सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमि आवंटन से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस दौरान राज्य सरकार की भूमि आवंटन नीति के नियमों की पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त पंडित दीनदयाल उपाध्याय आवासीय योजना के अंतर्गत ई-लॉटरी प्रक्रिया के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण के पोर्टल के उपयोग पर भी चर्चा की गई तथा संबंधित कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में नगर सुधार न्यास के सचिव मूलचंद लूनिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ टाउन प्लानर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर से बैठक से जुड़े।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान से राजस्थान में होगा नई ऊर्जा का संचार- टीकाराम जूली

10 दिनों तक शिविर में रहकर जिला अध्यक्षों ने सीखीं संगठन की बारीकियां, गांधीवाद और कांग्रेस की नीतियों को घर-घर पहुंचाने का लिया संकल्प।

जयपुर टाइम्स

जयपुर/पुष्कर(कासं.) । राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पुष्कर में संगठन सृजन अभियान के तहत नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के लिए आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर को राजस्थान कांग्रेस के इतिहास में एक मील का पत्थर बताया है। इस 10 दिवसीय शिविर में पूर्ण रूप से शामिल रहे नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस गहन प्रशिक्षण से पार्टी के जमीनी नेतृत्व में एक नई ऊर्जा और संकल्प का संचार हुआ है, जो आने वाले समय में राज्य में कांग्रेस को एक अभेद्य शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। शिविर के समापन के अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेता राहुल गांधी जी वर्चुअल माध्यम से शिविर को संबोधित किया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में राजस्थान में कांग्रेस के नेतृत्व और आपसी समन्वय की खुलकर सराहना की। उन्होंने राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के बीच के आपसी तालमेल और मिलकर काम करने की कार्यशैली को पूरे देश के लिए एक बेहतरीन उदाहरण बताया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राहुल गांधी जी के इन शब्दों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राहुल जी का यह प्रोत्साहन हमारे लिए बेहद गौरवपूर्ण है। राजस्थान में संगठन और विधायक दल पूरी एकजुटता के साथ जनता की आवाज उठा रहे हैं। हम इस भरोसे पर पूरी तरह खरा उतरेंगे और आपसी समन्वय के इसी उत्कृष्ट उदाहरण को बूथ स्तर तक लेकर जाएंगे। जूली ने बताया कि इस 10 दिवसीय शिविर के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव श्री सचिन राव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक नेताओं ने नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को

बेहद महत्वपूर्ण सांगठनिक ट्रेनिंग दी। शिविर में मुख्य रूप से गांधीवादी विचारधारा, कांग्रेस की मूल नीतियां, ऐतिहासिक कार्यक्रम और सिद्धांतों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तार से मंथन हुआ। जूली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा संगठन में मेहनत करने वालों को आगे बढ़ाया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी सुखजिन्दर रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द डोटासरा और मैं स्वयं अपने-अपने जिले के कांग्रेस जिला अध्यक्ष रहे हैं। पार्टी सभी का काम देखती रहती है और उचित समय पर उन्हें नई जिम्मेदारी देती है। पार्टी जिला अध्यक्ष संगठन के कार्यक्रमों को लागू करने के लिए मुख्य कार्यपालक की भूमिका निभाते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि शिविर में इस बात पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई कि किस तरह भाजपा द्वारा देश के पवित्र संविधान को कमजोर करने और नरेगा जैसी ऐतिहासिक व ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली योजनाओं को खत्म करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जूली ने संकल्प दोहराया कि कांग्रेस पार्टी भाजपा के इन अलोकतांत्रिक और जनविरोधी प्रयासों को कभी सफल नहीं होने देगी। प्रशिक्षण प्राप्त कर निकले सभी जिला अध्यक्ष अब अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़े होंगे। इस शिविर से निकले वैचारिक रोडमैप के जरिए राजस्थान कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता दोगुनी ताकत के साथ जनता के बीच जाएगा।

मुख्य सचिव ने 'सामाजिक सुरक्षा निवेश प्रोत्साहन योजना' की प्रगति की समीक्षा कर दिए निर्देश

जयपुरटाइम्स

जयपुर(कासं.) प्रदेश में वंचित और असहाय वर्गों के कल्याण में जुटे गैर-लाभकारी संगठनों एवं जनसहयोग की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से संचालित सुरक्षा निवेश प्रोत्साहन योजना की सोमवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति महिलाएं, बच्चे, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, बेघर, ट्रांसजेंडर और नशामुक्त होने वाले व्यक्ति तक इन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सभी पात्र गैर-लाभकारी संगठनों के आवेदनों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री दिनेश कुमार ने बताया कि सामाजिक सरोकार और गैर-लाभकारी कार्यों को बढ़ावा देने के लिए इस योजना के तहत पात्र संस्थाओं को भूमि रूपांतरण, भवन मानचित्र अनुमोदन, नियमन शुल्क, स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क, सेल डीड या लीज डीड, राज्य वस्तु एवं सेवा कर पर शत-प्रतिशत छूट और वित्तीय प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली की जोड़ी की प्रशंसा की और कहा दोनों के बीच बहुत ही अच्छा समन्वय

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को पुष्कर में कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्षों को पार्टी के संगठन को मजबूती प्रदान करने के संबंध में अपनी ओर से आवश्यक दिशा निर्देश और टिप्स दिए, राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस के संगठन से जुड़े बड़े नेताओं के साथ भी बातचीत करके प्रदेश कांग्रेस के संगठन से जुड़े तमाम विषयों के बारे में आवश्यक जानकारी ली इससे पहले किशनगढ़ एयरपोर्ट पर जब राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली पहुंचे तो एयरपोर्ट पर राहुल गांधी ने मुस्कुराते हुए गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली दोनों को इंगित करते हुए कहा कि आप दोनों बहुत अच्छा काम कर रहे हैं दोनों के बीच बहुत ही अच्छा समन्वय और तालमेल है जो देश में अन्य राज्यों में कांग्रेस पार्टी के लिए प्रेरणा का स्रोत है मौके पर अशोक गहलोत ने भी राहुल गांधी

का स्वागत किया जानकारी के अनुसार पुष्कर में पिछले दिनों से आयोजित हो रहे कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्षों के ट्रेनिंग कैंप में राहुल गांधी ने पार्टी के सभी जिला अध्यक्षों को पार्टी के संगठन को कैसे और किस तरह से मजबूती प्रदान की जाए और केंद्र की मोदी सरकार और राजस्थान की भजनलाल सरकार की विफलताओं को कैसे और किस तरह से जनता के बीच प्रचारित किया जाए। किन-किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच में जनता से ज्यादा से ज्यादा संवाद किया जाए तथा लोगों को बातचीत के दौरान यह भी बताया जाए कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने देश के विकास और कल्याण के लिए अपने प्राणों की आहुति तक दी है इन तमाम बातों का लोगों से गंभीरता से जिक्र किया जाए। कांग्रेस पार्टी की नीति नियम सिद्धांतों के बारे में बताया जाए लोगों को बताया जाए कि अकेले कांग्रेस पार्टी ही लोकतंत्र और संविधान की रक्षा कर सकती है। राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों से कहा कि आपको किसी से भी घबराना नहीं है और खुलकर सरकार की संविधान और लोकतंत्र विरोधी नीतियों को जनता के बीच लेकर जाना है और निचले स्तर पर कांग्रेस पार्टी के संगठन एक मजबूत टीम खड़ी करनी है जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला अध्यक्षों की है राहुल गांधी ने पार्टी के जिला अध्यक्षों से कहा कि पार्टी में जो गतिशील और ऊर्जावान होगा और जो फील्ड में रहकर पार्टी के संगठन को मजबूती देने का कार्य करेगा और जो पार्टी के कार्यक्रमों और पार्टी के विजन को मजबूती के साथ फॉलो करेगा अब उन्हीं नेताओं को पार्टी में आगे किया जाएगा। कुल मिलाकर कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्षों को राहुल गांधी ने यह भरोसा दिलाया है कि विभिन्न तरह के चुनाव में अब जिला अध्यक्षों की सलाह को तवज्जो दी जाएगी, राहुल गांधी ने करीब 6 घंटे पुष्कर में बिताए और इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्षों के साथ सामूहिक रूप से लंबी मंत्रणा की और फिर वहां मौके पर मौजूद प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेताओं और संगठन से जुड़े बड़े नेताओं के साथ भी प्रदेश कांग्रेस के संगठन को लेकर विस्तार से चर्चा की हालांकि किस तरह से राहुल गांधी ने गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली दोनों के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय की प्रशंसा की है उससे यह साफ जाहिर होता है कि राजस्थान कांग्रेस के कामकाज और राजस्थान कांग्रेस की गतिविधियों को लेकर राहुल गांधी काफी खुश और प्रभावित हैं और शायद यही वजह है कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का दिल्ली दरबार गोविंद सिंह डोटासरा को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटाने के मूड में बिल्कुल भी नहीं है, राहुल गांधी पार्टी के जिला अध्यक्षों को संबोधित करने के बाद वह राजस्थान कांग्रेस के बारे में आवश्यक फीडबैक लेने के बाद किशनगढ़ एयरपोर्ट से ही सीधे दिल्ली चले गए ।

सम्पादकीय

सीमा पार से सिर्फ घुसपैठ नहीं, भीतर तक फैलता सुरक्षा का खतरा

पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसपैठ और इससे जुड़ी आतंकवाद की समस्या ने भारत को किस स्तर तक नुकसान पहुंचाया है, यह छिपा नहीं है। हालांकि सीमा पर तैनात सुरक्षा बल के जवान अपनी ओर से पूरी कोशिश करते हैं कि पाकिस्तानी ठिकानों से भारत में घुसपैठ करने वालों को रोकें, गिरफ्तार करें या फिर जरूरत पड़ने पर उन्हें निशाना बनाया जाए। विडंबना यह है कि आज भी सीमा पर भारत को अक्सर घुसपैठ और आतंकी हमलों का सामना करना पड़ता है। इसकी एक बड़ी वजह सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के तार और निगरानी का तंत्र अपेक्षित स्तर पर मजबूत न होने को माना जाता रहा है। फिर सीमा पर स्थित रिहाइशी इलाकों में भी कई बार आतंकी सूत्रों से जुड़े लोगों की पहचान नहीं पाने के अपने जोखिम हैं। शायद यही वजह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने साफ लहजे में पाकिस्तान सीमा के आसपास सुरक्षा के लिहाज से सख्त नीति अपनाने को कहा है। गौरतलब है कि राजस्थान के सीमावर्ती इलाके के आसपास के जिलों में सुरक्षा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने उच्चस्तरीय बैठक में भारत और पाकिस्तान सीमा के आसपास चौतरफा सुरक्षा योजना के तहत कई अहम निर्देश दिए हैं। इसके मुताबिक, अब सीमा से पंद्रह किलोमीटर तक के क्षेत्र में हर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसे निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा। इस सख्ती की वजह मुख्य रूप से राजस्थान के सीमाई इलाके के जिलों में घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना है। यह छिपा नहीं है कि सीमा से सटे क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से अलग-अलग रूप में होने वाली घुसपैठ अंतिम तौर पर भारत में आतंकवाद की जड़ों को मजबूत करती है। खासतौर पर सीमावर्ती इलाकों में अवैध रूप से रहने वाले कुछ लोग कई बार आतंकियों के लिए अप्रत्यक्ष सहायक के रूप में काम करते हैं। इनमें से कई लोग भ्रष्टाचार का सहारा लेकर न केवल स्थानीयता का फर्जी दस्तावेज बनवा लेते हैं, बल्कि संदिग्ध वित्तीय लेनदेन, अवैध गतिविधियों और सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी में भी लिप्त होते हैं। यह अकारण नहीं है कि आतंकवाद के खिलाफ चलने वाले अभियान के सामने अक्सर आंतरिक मोर्चों पर खड़ी जटिलताएं एक बड़ी चुनौती होती हैं। दरअसल, पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सीमावर्ती इलाकों में अपना नेटवर्क खड़ा करने के लिए स्थानीय आबादी में घुसपैठ करके अपनी जगह बनाने को एक ढांचे के रूप में विकसित किया है। इसके अलावा, वे कारोबारी प्रतिष्ठानों से संपर्क साध कर भी आतंकी संगठनों के वित्तपोषण का एक संजाल खड़ा करते हैं। पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को शह देने का मुद्दा कई बार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी उठ चुका है। भारत की ओर से लगातार चेतावनी और सख्ती के बावजूद सीमा पर घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा पाना अब तक संभव नहीं हो सका है। पिछले वर्ष पहलगाम में पर्यटकों पर हमले से लेकर आतंकी वारदात की एक लंबी श्रृंखला रही है। इस लिहाज से देखें, तो सीमावर्ती इलाकों में आतंकी तत्त्वों या उनके लिए सहयोगी के रूप में काम करने वाले तंत्र के खिलाफ सख्ती एक जरूरी कार्रवाई है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में चल रहा 'ऑपरेशन शेरूवाली' अब निर्णायक चरण में पहुंचता दिखाई दे रहा है।

कहानी

बॉब की बिल्ली

एक समय की बात है। किसी गांव में बॉब नाम का एक अनाथ लड़का रहता था। काफी समय से वह शहर देखने के लिए इच्छुक था। एक दिन उसने अपने गांव में एक घोड़ा गाड़ी देखी।

उसने सोचा शहर जाने का यह अच्छा मौका है। बॉबी दौड़कर घोड़गाड़ी के चालक के पास पहुंचा और बोला क्या तुम मुझें अपने साथ शहर ले चलोगें?

वह एक दयालु व्यापारी था। उसने ने भी हामी भर दी। जब बॉब शहर पहुंचा तो वहां के रास्ते और इमारते देख कर उसे बहुत मजा आया। शहर में बॉब का कोई नही रहता था और ना ही बॉब को समझ में आया की वह कहां जाए।

वह थका हुआ भी था। वह उसी व्यापारी के घर के बाहर सो गया। अगली सुबह उस व्यापारी का रसोईया उसे देख कर जोर से चिल्लाया कौन हो तुम भागों यहां से?

रसोईयां की आवाज सुन कर व्यापारी अपने घर से बाहर निकला और वहां बॉब को देख कर वह आश्चर्य रह गया। तुम कल से यही हो व्यापारी ने पूछा?

बॉब ने बताया इस शहर में वह किसी को नही जानता। व्यापारी ने कहा प्यारे लड़के तुमने यह बात मुझें कल क्यों नही बताई। मैं तुम्हें शहर अपने साथ नही लाता। अब तुम्हें शहर में रहने के लिए कोई काम करना होगा।

व्यापारी की बात सुनकर बॉब ने कहा आप ही मुझें कोई काम दे दों, मैं सारा काम कर सकता हूं। व्यापारी मुस्कुराया और उसे अपने रसोईयां के साथ उसका हाथ बंटाने के काम के लिए रख लिया। बॉबी उस घर में बहुत खुश रहता था। बॉबी को वहां सभी प्रकार की सुख सुविधा उपलिब्ध थी। उसे किसी प्रकार की कोई दिक्कत नही होती थी।

उस व्यापारी की एक बेटी थी जिसका नाम ऐनी था। ऐनी जब भी घर से बाहर जाती थी तो बॉब उसके साथ ही जाता था।

एक दिन ऐनी घुमने गयी थी तो उसका पर्स कही गिर गया था। जिसे बॉब ने देखा तो उठा कर उसे वापस कर दिया। इससे व्यापारी बहुत खुश हुआ।

दिन बॉब ने एक आवारा बिल्ली का बच्चा कहीं से खरीद घर ले आया क्योंकि घर में बहुत सारे चुहे हो गए थे। उसने सोचा बिल्ली का बच्चा घर से सारे चूहे भगा देगा। शीध्र हि बिल्ली ने सारे चूहे को घर से भगा दिया।

एक दिन व्यापारी का जहाज व्यापार करने के लिए विदेश जा रहा था। व्यापारी ने अपने सभी नौकरों को बुलाया और उनसे कहा मैं चाहता हूं तुम लोग भी अपना भाग्य आजमाओं। इससे तुम्हें मुनाफा होगा। क्या तुम लोग विदेश में बेचने के लिए कोई माल भेजना चाहते हो?

सभी नौकर के पास देने के लिए कुछ ना कुछ था पर बॉब को देने के लिए कुछ नही था। मेरे पास आपको देने के लिए कुछ नही है। मेरे पास एक बिल्ली ही है।

व्यापारी मुस्कुराया और बोला कोई बात नही तुम उस बिल्ली को ही दे दो। बॉब ने बेमन से अपनी बिल्ली विदेश भेज दी।

कुछ महीने बाद व्यापारी का जहाज बहुत धन लेकर वापस लौटा। जहाज का कप्तान ने कहा हम जिस शहर गए थे। उस शहर में चूहे बहुत ज्यादा थे।

वहां के राजा, रानी और सारे नागरिक इस कारण बहुत परेशान थे। पर हमारी बिल्ली से उस शहर के सारे चूहे को मारे डाला। जिससे उस शहर के नागरिक और वहां के राजा-रानी ने हमें बहुत सारे घन दिए है और हमारी बिल्ली को भी अपने पास ही रख लिया।

व्यापारी ने वह धन बॉब को दे दिया।

सार्थक संवाद की प्रतीक्षा में पश्चिम एशिया

अब्राहम समझौते की परिकल्पना इजरायल और अरब या मुस्लिम-बहुल देशों के बीच संबंध सामान्य करने के एक ढांचे के रूप में की गई थी। इसकी शुरुआत 2020 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन से हुई। बाद में मोरक्को और सूडान भी इससे जुड़ गए। इसका उद्देश्य कूटनीति, व्यापार, पर्यटन, सुरक्षा सहयोग, तकनीक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के रास्ते खोलना था। इस समझौते का नाम अब्राहम समझौता रखा जाना भी अर्थपूर्ण है। अब्राहम, जिन्हें यहूदी, ईसाई और इस्लामी परंपराओं में एक महत्वपूर्ण पितृपुरुष माना गया है। यहूदी अपनी पवित्र वंश-परंपरा को अब्राहम से जोड़ते हैं, ईसाई उन्हें आस्था के पिता के रूप में देखते हैं और मुसलमान उन्हें एक ऐसे पैगंबर के रूप में मानते हैं, जिन्होंने मक्का में काबा का निर्माण किया और उनके वंश में अनेक पैगंबर आए। इसलिए यह नाम एक साझा आध्यात्मिक विरासत की ओर संकेत करता है।

अब्राहम समझौता राजनीतिक मतभेदों और क्षेत्रीय विवादों का तत्काल समाधान नहीं, बल्कि संवाद की शुरुआत है। यह याद दिलाता है कि यहूदियों, ईसाइयों और मुसलमानों के बीच बातचीत कोई कृत्रिम पश्चिमी विचार नहीं, बल्कि एक बहुत पुराने सभ्यतागत संबंध में निहित है। जो देश इस समझौते से जुड़े, उन्होंने भावुकता में ऐसा नहीं किया। उन्होंने यह महसूस किया कि पुरानी नीति किसी के लिए लाभकारी नहीं रही। लंबे समय

राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से अरब और मुस्लिम-बहुल देशों से अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील को केवल अमेरिकी कूटनीतिक दबाव मानकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। यह अपील पश्चिम एशिया के सामने प्रश्न रखती है कि क्या देश मान्यता और संवाद की प्रक्रिया से बाहर रहकर अपने हितों की रक्षा बेहतर ढंग से कर सकते हैं या इस प्रक्रिया में शामिल होकर अधिक स्थिर क्षेत्रीय व्यवस्था बनाने में भूमिका निभा सकते हैं? प्रश्न यह नहीं है कि कोई अमेरिकी कूटनीति से सहमत है या नहीं। यह भी नहीं है कि अब्राहम समझौता अपने मौजूदा स्वरूप में पूर्ण है या नहीं। कोई भी शांति समझौता शुरुआत में पूर्ण नहीं होता। असली प्रश्न यह है कि संवाद से दूरी बनाकर क्या पश्चिम एशिया को बेहतर परिणाम मिले हैं? दशकों से इस क्षेत्र ने युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, आम नागरिकों की पीड़ा और बढ़ते अविश्वास का अनुभव किया है। इसलिए एक अलग रास्ते पर विचार करना आवश्यक है।

अब्राहम समझौते की परिकल्पना इजरायल और अरब या मुस्लिम-बहुल देशों के बीच संबंध सामान्य करने के एक ढांचे के रूप में की गई थी। इसकी शुरुआत 2020 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन से हुई। बाद में मोरक्को और सूडान भी इससे जुड़ गए। इसका उद्देश्य कूटनीति, व्यापार, पर्यटन, सुरक्षा सहयोग, तकनीक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के रास्ते खोलना था। इस समझौते का नाम अब्राहम समझौता रखा जाना भी अर्थपूर्ण है। अब्राहम, जिन्हें यहूदी, ईसाई और इस्लामी परंपराओं में एक महत्वपूर्ण पितृपुरुष माना गया है। यहूदी अपनी पवित्र वंश-परंपरा को अब्राहम से जोड़ते हैं, ईसाई उन्हें आस्था के पिता के रूप में देखते हैं और मुसलमान उन्हें एक ऐसे पैगंबर के रूप में मानते हैं, जिन्होंने मक्का में काबा का निर्माण किया और उनके वंश में अनेक पैगंबर आए। इसलिए यह नाम एक साझा आध्यात्मिक विरासत की ओर संकेत करता है।

अब्राहम समझौता राजनीतिक मतभेदों और क्षेत्रीय विवादों का तत्काल समाधान नहीं, बल्कि संवाद की शुरुआत है। यह याद दिलाता है कि यहूदियों, ईसाइयों और मुसलमानों के बीच बातचीत कोई कृत्रिम पश्चिमी विचार नहीं, बल्कि एक बहुत पुराने सभ्यतागत संबंध में निहित है। जो देश इस समझौते से जुड़े, उन्होंने भावुकता में ऐसा नहीं किया। उन्होंने यह महसूस किया कि पुरानी नीति किसी के लिए लाभकारी नहीं रही। लंबे समय तक कई देशों ने माना कि इजरायल से औपचारिक संबंध न रखना फलस्तीनी मुद्दे को मजबूत करेगा। यह दृष्टिकोण भावनात्मक रूप से प्रभावी लगता था, विशेषकर अरब और मुस्लिम समाजों में, लेकिन इसके व्यावहारिक परिणाम सीमित रहे। इजरायल को मान्यता न देने से न तो फलस्तीनी राष्ट्र का निर्माण हुआ और न ही बार-बार होने वाले युद्ध रुके। यही कठिन तथ्य है। कोई रुख नैतिक रूप से प्रभावशाली हो सकता है, लेकिन यह आवश्यक नहीं कि वह राजनीतिक रूप से भी प्रभावी हो। निंदा कभी-कभी जरूरी हो सकती है, लेकिन केवल निंदा से प्रभाव या दबाव पैदा नहीं होता। जो देश परिणामों को प्रभावित करना चाहते हैं, उनके लिए दूरी की तुलना में सहभागिता अधिक उपयोगी हो सकती है। इसलिए अधिक व्यावहारिक रास्ता यह है कि अब्राहम समझौते से बाहर रहने के बजाय उसमें भागीदारी की जाए। इससे देश संवाद के मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता की दिशा में ठोस पहल कर सकते हैं। यह उन देशों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो मानते हैं कि इजरायल से संबंध सामान्य करने की प्रक्रिया एक विश्वसनीय फलस्तीनी समाधान से जुड़ी होनी चाहिए, लेकिन यह मांग संवाद से दूर रहने का कारण नहीं बननी चाहिए। यदि सभी अरब और मुस्लिम-बहुल देश इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करते हैं तो वे भविष्य की व्यापक क्षेत्रीय व्यवस्था को अधिक प्रभावी ढंग से आकार दे सकते हैं।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने एक बार फिर दिखाया है कि पश्चिम एशिया की अस्थिरता की कीमत केवल युद्ध में शामिल देश ही नहीं चुकाते। उसका असर पूरे क्षेत्र और विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।। ईरान, इजरायल, खाड़ी देश और व्यापक विश्व इस आशंका के साथ जी रहे हैं कि कोई भी नया टकराव हालात को और गंभीर बना सकता है। इसलिए मूल बात यह नहीं है कि हर विवाद का समाधान तुरंत मिल जाएगा। मूल बात यह है कि संवाद के बिना हर संकट और भी खतरनाक हो जाता है। यहीं अब्राहम समझौता उपयोगी साबित हो सकता है। यह किसी अंतिम समाधान का दावा नहीं करता, लेकिन बातचीत का ऐसा ढांचा देता है जिसमें देश असहमति के बावजूद संपर्क बनाए रख सकते हैं। वे व्यापार कर सकते हैं

विकास को बाधित करती रेवड़ी राजनीति

जिन समाजों में विषमता गहराई से समाई है, वहां वंचितों को लाभ पहुंचाकर मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वितरणात्मक न्याय महत्वपूर्ण उपाय है। इस दृष्टि से कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को राहत पहुंचाने के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं के पीछे भारतीय राजनीतिक दृष्टिकोण नितांत न्यायसंगत है। इसमें महत्वपूर्ण यही है कि क्या ये योजनाएं सरकारी खजाने को क्षति पहुंचाए बिना ही अभीष्ट की पूर्ति का माध्यम बन पा रही हैं या नहीं? यानी सरकारी खजाने को इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है और अपेक्षा के अनुरूप परिणाम की प्राप्ति होती रही है या नहीं? आंकड़ें तो यही दर्शाते हैं कि बिना किसी शर्त के होने वाले हस्तांतरणों का दायरा 2018-19 की तुलना में 2025-26 के बीच 28.8 प्रतिशत बढ़ा है। तमाम राज्यों के लिए ऐसे उपाय पसंदीदा बनते जा रहे हैं। हालांकि ऐसे हस्तांतरणों की प्रकृति को देखें तो ये विशुद्ध

इस साल के लिए नियत लोकतंत्र का महोत्सव अब संपन्न हो चुका है। चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के बाद नई सरकारों ने कमान भी संभाल ली है। चुनावी राज्यों में राजनीतिक दलों ने बड़े-बड़े वादे करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी और वे प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद से प्रेरित फ्रीबीज यानी रेवड़ी संस्कृति को ही पोषित करने वाले रहे। ऐसे वादों के पीछे कहीं न कहीं विषमता का एक पहलू भी जुड़ा है, क्योंकि समृद्ध लोगों और हाशिए पर मौजूद समूहों के बीच की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार लगभग 82.6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे हैं, जिनकी दैनिक आय तीन डॉलर से कम है। जबकि वैश्विक समृद्धि भी निरंतर बढ़ती जा रही है। स्पष्ट है कि अमीर और गरीब के बीच अंतर बढ़ने पर है और भारत भी इस वैश्विक रुझान से अछूता नहीं। विषमता के इस संदर्भ में वितरण और न्याय दो अहम कड़ियां हैं। इनसे मिलकर बनने वाली वितरणात्मक न्याय की संकल्पना केवल आर्थिक पुनर्वितरण नहीं, अपितु समाज के लिए अवसरों, जोखिमों और संसाधनों के आवंटन को नियंत्रित करने वाला एक नैतिक और राजनीतिक ढांचा भी है। एक स्थिर और समावेशी समाज के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। जिन समाजों में विषमता गहराई से समाई है, वहां वंचितों को लाभ पहुंचाकर मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वितरणात्मक न्याय महत्वपूर्ण उपाय है। इस दृष्टि से कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को राहत पहुंचाने के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं के पीछे भारतीय राजनीतिक दृष्टिकोण नितांत न्यायसंगत है। इसमें महत्वपूर्ण यही है कि क्या ये योजनाएं सरकारी खजाने को क्षति पहुंचाए बिना ही अभीष्ट की पूर्ति का माध्यम बन पा रही हैं या नहीं? यानी सरकारी खजाने को इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है और अपेक्षा के अनुरूप परिणाम की प्राप्ति होती रही है या नहीं? आंकड़ें तो यही दर्शाते हैं कि बिना किसी शर्त के होने वाले हस्तांतरणों का दायरा 2018-19 की तुलना में 2025-26 के बीच 28.8 प्रतिशत बढ़ा है। तमाम राज्यों के लिए ऐसे उपाय पसंदीदा बनते जा रहे हैं। हालांकि ऐसे हस्तांतरणों की प्रकृति को देखें तो ये विशुद्ध उपभोग वाली सब्सिडी बन जाते हैं। इनसे प्रोत्साहनों को चोट पहुंचती है। निवेश क्षमता कुंद होती है। सरकार खजाने पर दबाव बढ़ता है। अंततः इससे वितरणात्मक न्याय के सिद्धांतों और उद्देश्यों को क्षति पहुंचती है। यह भी देखा गया है कि बहुत कुछ सहजता से प्राप्त होने की स्थिति में पुरुषार्थ का भाव घटने लगता है। वैसे भी यही श्रेयस्कर माना गया है कि किसी भूखे को भोजन कराने से बेहतर है कि उसे वे तौर-तरीके सिखाए जाएं कि उसके समक्ष कभी भुखमरी की नौबत न आए। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन और मार्था नुसबाम 'क्षमता दृष्टिकोण' (कैपेबिलिटी अप्रोच) का सुझाव देते हैं। उनका तर्क है कि

न्याय की दृष्टि केवल आय पर केंद्रित न होकर इस पहलू पर भी होनी चाहिए कि व्यक्तियों को कार्य करने और आगे बढ़ने के 'वास्तविक अवसर' मिलें। इसके अंतर्गत सुनिश्चित हो कि स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, गरिमा और काम के सार्थक अवसरों तक उनकी निर्बाध पहुंच हो। इस क्रम में नया दृष्टिकोण पूर्व-वितरण यानी प्री-डिस्ट्रीब्यूशन का है। अधिकांश अर्थशास्त्री विषमता की स्थिति निर्मित होने के बाद पुनर्वितरण की बात करते हैं, लेकिन आधुनिक सोच विषमता को रोकने के लिए समाज के पुनर्गठन और प्रभावी शासन पर ध्यान केंद्रित करता है। अमर्त्य सेन और मार्था नुसबाम के सुझाव 'अवसर की समानता' के इसी नए दर्शन में पूरी तरह सटीक बैठते हैं, जिसका उद्देश्य ही विषमता की स्थिति निर्मित होने से रोकना है। वैश्विक अनुभवों की बात करें तो युद्ध के बाद एक समय दक्षिण कोरिया कई अफ्रीकी देशों से गरीब था।

बंगाल में हिंसा

पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के तत्काल बाद जो हिंसा हुई थी और जिसमें भाजपा एवं तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर हमले किए थे, वह करीब-करीब थम गई थी, लेकिन पिछले दिनों जिस तरह टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हमला हुआ और गत दिवस इसी पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी भी भीड़ के आक्रोश एवं पथराव का शिकार हुए, वह कोई शुभ संकेत नहीं। इस सिलसिले को रोका ही जाना चाहिए। यह स्वाभाविक है कि अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी के साथ गुस्साई भीड़ ने जो धक्कामुक्की एवं मारपीट की, उसे तृणमूल कांग्रेस एक बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन हालिया चुनाव के बाद जो हिंसा देखने को मिली, उसकी तुलना उस भीषण अराजकता से नहीं की जा सकती,

जो पिछले विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की जीत के बाद देखने को मिली थी। उस समय तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं-नेताओं और उनके समर्थकों ने विरोधी दलों और विशेष रूप से भाजपा के उन लोगों पर कहर बरपाया था, जिनके बारे में उन्हें शक था कि उन्होंने ममता की पार्टी को वोट नहीं दिया। वह अराजकता इतनी भयावह एवं आतंकित करने वाली थी कि कई लोगों को अपनी जान बचाने के लिए असम में जाकर शरण लेनी पड़ी थी। यदि तब ममता बनर्जी ने उस हिंसा को गंभीरता से लिया होता और उस पर रोक लगाने की कोशिश की होती तो शायद आज जो कुछ देखने को मिल रहा है, वह नहीं दिखता। यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि ममता बनर्जी ने अपने शासन में कानून एवं व्यवस्था को कलंकित करने वाली उस हिंसा से पल्ला झाड़ लिया था। उन्होंने ऐसा ही उसके बाद की राजनीतिक हिंसा के मामले में भी किया। बंगाल के बारे में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यहां राजनीतिक एवं चुनावी हिंसा का एक लंबा दौर रहा है। एक तरह से राजनीतिक एवं चुनावी हिंसा बंगाल की राजनीतिक संस्कृति बन गई है। भाजपा को प्राथमिकता के आधार पर हिंसा की इस संस्कृति को खत्म करना होगा। उसे ऐसा इसके बावजूद करना होगा कि इस बार हिंसा का वैसा भयावह रूप देखने को नहीं मिला है। भाजपा सरकार को न केवल पुलिस-प्रशासन को आवश्यक निर्देश देने होंगे, बल्कि अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को यह संदेश देना होगा कि किसी भी तरह की हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। बंगाल में हर स्तर पर वास्तविक सुधार के लिए यह आवश्यक ही नहीं

पीएम स्वनिधि योजना के 6 वर्ष पूर्ण होने पर तीन दिवसीय विशेष ऋण शिविर का शुभारम्भ

नगर निगम जयपुर एवं यस बैंक के संयुक्त तत्वावधान में स्ट्रीट वेंडर्स को मिलेगा आर्थिक संबल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) प्रधानमंत्री स्वनिधि (पीएम स्वनिधि) योजना के सफल छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर निगम जयपुर द्वारा 1 जून से 30 जून 2026 तक लोक कल्याण मेला आयोजित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में नगर निगम जयपुर एवं यस बैंक के संयुक्त सहयोग से नगर निगम मुख्यालय में तीन दिवसीय विशेष पीएम स्वनिधि ऋण वितरण शिविर का शुभारम्भ किया गया। यह विशेष शिविर 1 जून से 3 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य शहर के स्ट्रीट वेंडर्स एवं असंगठित क्षेत्र में कार्यरत छोटे व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा उन्हें अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए सरल एवं सुलभ वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। शिविर के माध्यम से पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत पात्र नए आवेदकों को प्रथम चरण का 15 हजार रुपये तक का ऋण तथा यस बैंक में लंबित द्वितीय चरण के 25 हजार रुपये तक के ऋण स्वीकृत कराए जा रहे हैं। इससे लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के कार्यशील पूंजी उपलब्ध हो सकेगी, जिससे वे अपने व्यवसाय को और अधिक सुदृढ़ बना सकेंगे। शिविर के प्रथम दिवस स्थानीय स्ट्रीट वेंडर्स में विशेष उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिली। बड़ी संख्या में लाभार्थी अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। प्रथम दिन द्वितीय ऋण के 30 तथा प्रथम ऋण के 5 आवेदकों ने आवेदन प्रक्रिया में भाग लिया। इनमें से द्वितीय ऋण के 23 तथा प्रथम ऋण के सभी 5 आवेदकों के ऋण यस बैंक द्वारा मौके पर ही स्वीकृत किए गए तथा ऋण वितरण की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई। नगर निगम जयपुर के अतिरिक्त आयुक्त श्री नरेन्द्र कुमार बंसल ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना केन्द्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों एवं स्ट्रीट वेंडर्स को आत्मनिर्भर बनाना है। नगर निगम जयपुर इस योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि यस बैंक के सहयोग से आयोजित यह विशेष शिविर 3 जून तक जारी रहेगा, जिसमें बैंक में लंबित प्रथम एवं द्वितीय ऋण प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। इससे पात्र वेंडर्स को बिना किसी गारंटी के आसान कार्यशील पूंजी प्राप्त होगी, जो उनके व्यवसाय को नई गति प्रदान करेगी।

भाजपा किसान मोर्चा की ओर से एसएमएस स्टेडियम में 12 जून को जुटेगा किसानों का महाकुंभ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक सोमवार को प्रांतीय मुख्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने की। इस उच्च स्तरीय बैठक में राजस्थान में प्राकृतिक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में मुख्य रूप से आगामी 12 जून को जयपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चौधरी ने बताया कि आगामी 12 जून को सवाई मान सिंह स्टेडियम में एक विशाल एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के किसानों को पारंपरिक रासायनिक खेती छोड़ पर्यावरण और स्वास्थ्य अनुकूल प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित करना है। इस प्रशिक्षण शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि इसमें प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना चुके गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और उनकी विशेषज्ञ टीम विशेष रूप से जयपुर आएगी। राज्यपाल और उनकी टीम खुद राजस्थान के प्रगतिशील किसानों को प्राकृतिक खेती के गुर, जीवामृत तैयार करने की विधि, भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के वैज्ञानिक तरीके और कम लागत में अधिक मुनाफे के व्यावहारिक सूत्र सिखाएगी। इस कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को पूरी तरह जमीनी और प्रभावी बनाने के लिए संगठन स्तर पर एक त्रिस्तरीय चयन प्रक्रिया शुरू की गई है। भाजपा किसान मोर्चा की जिला इकाइयां पार्टी के प्रत्येक संगठनात्मक मंडल से 5-5 ऐसे जागरूक किसानों का चयन करेंगी जो प्राकृतिक खेती करने के इच्छुक हैं। प्रत्येक मंडल से चयनित इन नामों को संकलित कर हर जिले से कुल 150 किसानों की सूची तैयार की जाएगी। जिला इकाइयां इन सभी चयनित किसानों की अंतिम सूची तुरंत मोर्चा के प्रदेश कार्यालय को भेजेंगी, जिन्हें 12 जून को जयपुर में मुख्य प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ईजीएस आयुक्त ने एसएनए स्पर्श के माध्यम से 3 दिन के भीतर भुगतान की जीरो पेंडेंसी करने के निर्देश दिए

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.) ईजीएस आयुक्त पुष्पा सत्यानी ने ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के समस्त जिला कार्यकम समन्वयक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की सोमवार को वी.सी. के माध्यम से शासन सचिवालय जयपुर में बैठक ली। सत्यानी ने राज्य में योजना के बेहतर कियान्वयन के संबंध में सभी जिलों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से बिन्दुवार समीक्षा एवं विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने योजनान्तर्गत सामग्री एवं प्रशासनिक मद का भुगतान एसएनए स्पर्श के माध्यम से किये जाने के संबंध में समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि योजनान्तर्गत जिलों द्वारा बकाया बिलों के भुगतान किये जाने संबंधि समस्त प्रक्रिया आगामी 3 दिवस में आवश्यक रूप से पूर्ण कर ली जाए। योजनान्तर्गत कार्यरत संविदाकार्मिकों के मानदेय भुगतान की कार्यवाही प्राथमिकता से करें।

मंत्रालयिक कर्मचारियों ने किया स्वाभिमान बचाओ आंदोलन का आगाज, ज्ञापन सौंपे

जयपुर टाइम्स

पाटन(निसं.)। पंचायतीराज संस्थाओं के मंत्रालयिक कर्मचारियों ने लंबित मांगों के निराकरण को लेकर स्वाभिमान बचाओ आंदोलन का आगाज कर दिया है। कर्मचारियों ने ब्लॉक अध्यक्ष रामजीलाल गुर्जर के नेतृत्व में पंचायत समिति पाटन की विकास अधिकारी शशिबाला को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन की रूपरेखा से अवगत कराया। संगठन के प्रदेश मुख्य संयोजक अनिल सिंह तंवर ने बताया कि पंचायतीराज विभाग द्वारा मंत्रालयिक संवर्ग के करीब 16 हजार कर्मचारियों की मांगों को लंबे समय से लंबित रखा जा रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि विभाग उनके साथ पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहा है तथा विभिन्न मांगों को कनिष्ठ लिपिक भर्ती-2013 की जांच के नाम पर टाला जा रहा है। जिला कोषाध्यक्ष नोरंग लाल भारद्वाज ने बताया कि मंत्रालयिक कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में केडर रिव्यू, पदोन्नति के पदों में वृद्धि, ग्राम पंचायत स्तर पर स्पष्ट कार्य विभाजन, न्यायालय के आदेशानुसार लाभ प्रदान करना, अंतर जिला स्थानांतरण तथा आरआरडीएस में पदोन्नति के 50 प्रतिशत पद आरक्षित करना शामिल है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं होने पर ज्ञापन, कार्य बहिष्कार, मुख्यमंत्री घेराव और जयपुर तक पदयात्रा सहित चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मोहनलाल गुर्जर, इरफान खान, अमीचंद यादव, विकम योगी, राजेश मीणा, सुनीता यादव, मंजू गुर्जर, संजू सैनी, मुकेश चेडवाल, दीपक वर्मा, जितेंद्र जाटोलिया, हरदान खटाणा सहित मंत्रालयिक कर्मचारी मौजूद रहे।

सुजानगढ़। पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन (राजस्थान) उपशाखा पंचायत समिति सुजानगढ़ की ओर से मंत्रालयिक कर्मचारियों की लंबित मांगों के निराकरण के लिए चरणबद्ध आंदोलन के तहत पंचायतीराज विभाग के बाबू सड़को पर उतर गए। संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष जगदीश प्रसाद कीलका ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं में कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारियों की विभिन्न मांगें लंबे समय से लंबित हैं और उनके प्रति विभाग की ओर से अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेशभर के लगभग 16 हजार मंत्रालयिक कर्मचारी अपनी न्यायोचित मांगों के लिए ढाई साल से समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। संगठन ने सरकार व विभागीय अधिकारियों से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड पैटर्न लागू करने, केडर रिव्यू, स्वतंत्र कार्य विभाजन, नोशनल लाभ, अंतरजिला स्थानांतरण सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदेश व्यापी ज्ञापन दिया गया। उन्होंने बताया कि घोषित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न चरणों में जिला व ब्लॉक स्तर पर प्रचार-प्रसार, ज्ञापन, संवाद कार्यक्रम, पेन डाउन आंदोलन, सद्बुद्धि यज्ञ तथा जयपुर कूच जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संगठन के अनुसार यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो 1 जुलाई से संपूर्ण कार्य बहिष्कार प्रारंभ किया जाएगा और 6 जुलाई को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास के घेराव का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और 7 जुलाई को जलमहल पर प्रेस वार्ता व सामूहिक जल समाधि जैसे आंदोलनात्मक कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं। मीडिया प्रभारी ज्योति तंवर ने बताया कि संगठन के पदाधिकारियों ने राज्य सरकार से मंत्रालयिक कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक व त्वरित निर्णय लेकर आंदोलन की आवश्यकता समाप्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान होने से पंचायतीराज संस्थाओं के प्रशासनिक कार्यों में भी अधिक दक्षता एवं पारदर्शिता आएगी। इस मौके पर ब्लॉक से मनफूल सिंह, ओमप्रकाश, अमितकुमार, सिद्धार्थ पारीक, बजरंगलाल, रामचन्द्र मेघवाल, तिलोकचंद, रामस्वरूप, निजाम खान, वीरेंद्र सिंह, जगदीश प्रसाद, कानाराम, सराजुद्दीन, रिंकू, मंजू शर्मा, कृष्ण गोपाल, फिरोज आदि मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित रहे। दूसरी ओर कर्मचारियों ने उपखंड अधिकारी और विकास अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपे।

धौलपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने शिक्षामंत्री एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा को ज्ञापन भेजकर शारीरिक शिक्षक भर्ती-2022 एवं दिव्यांग श्रेणी में चयनित शिक्षकों का शीघ्र पे-फिक्सेशन और स्थायीकरण कराने की मांग की है। महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि शारीरिक शिक्षकों ने करीब आठ माह पहले दो वर्ष का परिवीक्षा काल संतोषजनक रूप से पूरा कर लिया है, लेकिन अभी तक उन्हें नियमित वेतनमान का लाभ नहीं मिला है। इसी प्रकार दिव्यांग श्रेणी में नियुक्त शिक्षकों का भी वेतन निर्धारण और स्थायीकरण लंबित है। उन्होंने कहा कि हजारों शिक्षक वर्तमान में मात्र 23,700 रुपए के निश्चित मानदेय पर कार्य कर रहे हैं, जिससे महंगाई के दौर में उन्हें आर्थिक तंगी और पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में शिक्षा निदेशालय द्वारा बार-बार सत्यापन एवं जांच के नाम पर मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। महासंघ ने मांग की है कि जिन शिक्षकों के दस्तावेज और प्रमाण-पत्र सही पाए जा चुके हैं, उनका जल्द नियमित वेतन श्रंखला में पे-फिक्सेशन कर स्थायीकरण आदेश जारी किए जाएं, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

ग्रामीण सड़कों पर भारी ओवरलोडेड वाहन रोकने के लिए पीडब्ल्यूडी अभियंता ने डीटीओ को लिखा पत्र

15 दिन बाद भी कोई कार्यवाही नहीं

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। ग्रामीण सड़कों पर अधिक भारी वाहन ओवरलोड होकर चलने के कारण सड़कों के टूटने की आशंका है, इस बात को लेकर पीडब्ल्यूडी के अभियंता ने भी जिला परिवहन विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की, लेकिन 15 दिन बाद भी इस बारे में डीटीओ कार्यालय ने कोई कार्यवाही नहीं की। दरअसल पीडब्ल्यूडी आहोर के सहायक अभियंता ने 15 मई को जिला परिवहन अधिकारी को पत्र लिखा था, जिसमें बताया कि ग्राम पंचायत पावटा व सेदरिया बालोतान में विभाग की गारंटी अवधि में ग्रामीण श्रेणी की डामर सडकें हैं। इन सडकों को एक एमएसए के लिये डिजाईन किया गया हैं। जिसका स्टैंडर्ड एक्सल लोड 8.16 टन से ज्यादा नहीं होना चाहिये, लेकिन उक्त सडक पर इससे भारी ऑवरलोडेड वाहन गुजर रहे हैं। जिससे राजकीय सम्पति सडक का नुकसान हो रहा हैं एवं सडक ऑवलोडेड वाहनों के जान-माल की भी हानि हो सकती हैं। यह पत्र अभियंता ने ग्रामीणों की शिकायत के बाद लिखा था, लेकिन परिवहन विभाग ने अभी तक इस सम्बंध में कोई कार्यवाही नहीं की है। दरअसल, ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की सड़कों पर अधिकतम 10 टन वजनी वाहन चले तो ठीक है, लेकिन यहां सड़कों पर 50 टन से अधिक वजनदार भारी वाहन लोड होकर गुजर रहे है। जिस कारण गांव की सड़कें टूट सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि सुमेरपुर इलाके के नौवी में बजरी की लीज हो रखी है, उसमें से 50 टन से अधिक बजरी भरकर भारी वाहन पावटा ग्रामीण सड़क से गुजरते हुए नेशनल हाइवे 325 पर जाते है, जबकि इन ट्रकों को नौवी से सीधा सुमेरपुर आवागमन किया जा सकता है, लेकिन ये वाहन पावटा होकर गुजरते है, जिस कारण ग्रामीण सड़कें टूट सकती है। दिन में कई वाहन यहां से गुजर रहे है।

इनका कहना है:

पिछली बैठक में इस बारे में चर्चा जरूर हुई थी, लेकिन लिखित में चिट्ठी नहीं पहुंची, मामला ध्यान में आया है तो आवश्यक कार्यवाही जरूर करेंगे।

ओमप्रकाश चौधरी, जिला परिवहन अधिकारी, जालोर

कृषि विज्ञान केन्द्र में जैविक खेती प्रशिक्षण, पौधरोपण व जल स्रोत पूजन कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश भर में 25 मई से 5 जून तक आयोजित किए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण व कृषि क्षेत्र में जागरूकता लाने के लिए सोमवार को जिला कलक्टर की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केंद्र, केशवना में संगोष्ठी व कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिला कलक्टर ने कृषि व उद्यान विभाग के साथ ही कृषकों को जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विभागीय योजनाओं के बेहतर संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत अधिकाधिक पौधरोपण करने पर जोर दिया। कृषि व उद्यान विभाग के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र केशवणा की सहभागिता से जिला स्तरीय कार्यक्रम में परम्परागत कृषि विकास योजनान्तर्गत जैविक खेती प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 150 कृषकों ने भाग लिया। कृषि विस्तार के संयुक्त निदेशक रामलाल जाट की ओर से जल प्रबन्धन के अन्तर्गत फव्वारा सिंचाई, ड्रिप सिंचाई के साथ पाईपलाईन की ओर से सिंचाई कर जल बचत कर आधुनिक ढंग की उन्नत खेती कर अधिकाधिक कृषि उत्पादन लेने की सलाह कृषकों को दी गई। डॉ. पवन पारीक व कृषि वैज्ञानिक सुमन शर्मा की ओर से जैविक खेती का परिचय, उपयोगिता व वर्तमान समय की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषि विभाग के सहायक निदेशक सुभाषचन्द्र की ओर से जैविक बीज उत्पादन, नर्सरी पौध तैयारी और जैविक प्रमाणीकरण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में जैविक खेती आधारित वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत, बीजामृत, संजीवक वर्मीवास, दस पर्णी घोल, अग्निअस्त्र, नीमाअस्त्र, ब्रह्मास्त्र आदि की सजीव प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम में विभागीय योजनाओं यथा- फार्म पौण्ड व पाईपलाईन की जारी की गई प्रशासनिक स्वीकृतियां कृषकों को वितरित की गई, साथ ही उद्यान विभाग से सौर ऊर्जा संयंत्र से लाभान्वित कृषक मदनसिंह को प्रशस्ति पत्र की ओर से सम्मानित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र केशवणा में स्थापित जल संग्रहण टैंक में जल पूजन किया गया। कार्यक्रम में अमित आहूजा, राजेन्द्र प्रसाद सामोता, विष्णु कुमार व अन्य फील्ड के अधिकारी-कार्मिकों व कृषकों ने भाग लिया। अभियान के तहत 2 जून को नदी, बांध, सरोवर, नहरों पर पूजन, नहरों व खालों की साफ-सफाई, जल शक्ति अभियान: कैच द रेन अंतर्गत कार्यक्रम, जल संचय जन भागीदारी अंतर्गत कार्यक्रम, जल उपयोगिता संगमों की ओर से कार्यक्रम, नए कार्यों का शिलान्यास व भूमि पूजन, पूर्ण कार्यों का अवलोकन व लोकार्पण, आरटीडब्ल्यूएचएस निर्माण के लिए तकनीकी जानकारी देना, जल बचत के लिए जन जागृति, जल परीक्षण अभियान व कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अन्तर्गत कार्यों का लोकार्पण व नवीन कार्यों की स्वीकृतियां जारी की जाएंगी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल से अजमेर कांजी हाउस के फिरेंगे दिन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.) विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी की पहल पर अजमेर स्थित कांजी हाउस को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित गौसंरक्षण केन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रस्तावित योजना के तहत कांजी हाउस को जयपुर की प्रसिद्ध हिंगोनिया गौशाला की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिससे गौसेवा एवं गौसंरक्षण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे। अक्षयपात्र फाउंडेशन इसकी व्यवस्थाएं संभालेगा। श्री देवनानी ने इस संबंध में अक्षयपात्र फाउंडेशन के प्रतिनिधियों, नगर निगम प्रशासन के अधिकारियों तथा संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की पहल की है। इसी क्रम में उन्होंने अक्षयपात्र फाउंडेशन के प्रबंधकों, नगर निगम अजमेर के प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ तथा आयुक्त श्रीमती नित्या के. से चर्चा कर कांजी हाउस के संचालन एवं विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। प्रस्ताव के अनुसार अक्षयपात्र फाउंडेशन को कांजी हाउस के संचालन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस संबंध में दोनों पक्षों के बीच शीघ्र ही एमओयू होने की संभावना है। इसके लिए नियम एवं शर्तों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

लंबित एसीआर/एपीएआर भरने हेतु राजकाज एसीआर पोर्टल 30 जून तक खुला

जयपुर टाइम्स

जयपुर (निसं.)राज्य सरकार ने राजसेवकों द्वारा उनके विगत वर्षों के लंबित वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन (एसीआर/एपीएआर) भरने हेतु राजकाज एसीआर पोर्टल 1 जून से 30 जून तक की अवधि के लिए खोला है। कार्मिक विभाग के संयुक्त शासन सचिव के हस्ताक्षर से जारी इस परिपत्र अनुसार जिन राजसेवकों द्वारा विगत वर्षों के कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन अभी तक ऑनलाइन नहीं भरे गए हैं, वे निर्धारित अवधि के दौरान अपने लंबित प्रतिवेदन राजकाज एसीआर पोर्टल पर भर सकेंगे। कार्मिक विभाग ने सभी प्रशासनिक विभागों, विभागाध्यक्षों तथा जिला कलक्टरों से अपने अधीनस्थ राजसेवकों के लंबित कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन निर्धारित अवधि में भरवाना सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। कार्मिक विभाग ने राजसेवकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने लंबित एसीआर/एपीएआर निर्धारित अवधि में पूर्ण करें ।

आमजन की अधिकतम भागीदारी के साथ हो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन : कलक्टर

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर ने दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन आमजन की अधिकतम भागीदारी के साथ किया जाए। जिला कलक्टर ने 21 जून को जिले में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिला स्तरीय कार्यक्रम परशुराम धर्मशाला मचकुण्ड रोड धौलपुर में प्रातः 6.30 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी विभागों की भागीदारी रहेगी। आमजन के साथ-साथ समस्त अधिकारी भी अपने कर्मचारियों के साथ जिला स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। आर्युवेद विभाग को योग दिवस के मद्देनजर समस्त तैयारियां करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि उपखंड और ग्राम स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को योग के प्रति जागरूक करें। जिले में आयोजित योग दिवस के समस्त कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. दिनेश व सहायक नोडल अधिकारी रमाकान्त मिश्रा ने बताया कि विभाग की ओर से संचालित सभी चिकित्सालय, औषधालय व आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में योग दिवस आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा सभी ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही बैठक में जिला कलक्टर ने नगर परिषद को शहर में सीवरेज, ब्लॉकेज एवं ओवरफ्लो की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में सभी स्टाफ संवेदनशीलता से कार्य कर समय की पालना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि बजट घोषणा के कार्य समय पर पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, जिला स्तरीय जनसुनवाई व प्रतिदिन जनसुनवाई में प्राप्त लंबित परिवादों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए। साथ ही न्यूज पेपर कटिंग्स पर भी चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में उपवन संरक्षक वी चेतन कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद बबली राम जाट सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रिद्धि डोगरा ने फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं।

रिद्धि ने पोस्ट में शादी पर कही बड़ी बात

रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।'

रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए।

असली फेमिनिज्म का भी मतलब समझाया

रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं। फेमिनिज्म कभी भी पुरुषों को नीचा दिखाने के बारे में नहीं था। महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ ही पूरक हैं।'

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया।'

अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?' इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।'

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।' अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।'

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।'

शक्तिमान पर आधारित नहीं है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

90 और 2000 के दशक में बच्चों के लोकप्रिय शो 'शक्तिमान' की आज भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि काफी वक्त से शक्तिमान पर फिल्म बनाने की चर्चाएं भी चल रही हैं। रणवीर सिंह का नाम भी इसके लिए आगे आता रहा है, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर के नाम पर सहमत नहीं हुए। इस बीच ऐसी भी चर्चाएं सामने आईं कि अल्लू अर्जुन की बेसिल जोसेफ के साथ मच अवेटेड आगामी फिल्म 'शक्तिमान' पर ही आधारित है। बेसिल इससे पहले 2021 में आई टोविनो थॉमस की सुपरहीरो फिल्म 'मिन्नल मुरली' बना चुके हैं। यह फिल्म काफी सफल रही थी। हालांकि, खबरों के वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने अल्लू अर्जुन की इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। निर्देशक अरुण अनिरुधन, जिन्होंने टोविनो और बेसिल की हालिया फिल्म 'अथिराडी' का निर्देशन किया है, ने फिल्म निर्माता-अभिनेता के साथ शक्तिमान पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'पॉलसन (स्कारिया) और मैं बेसिल की अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे थे। दुर्भाग्य से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई। शक्तिमान एक बहुत बड़ी फिल्म बनने वाली थी। मुझे नहीं पता कि यह बनेगी या नहीं, मामला काफी पेचीदा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है वह शक्तिमान है? इस पर निर्देशक ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नहीं, इसका शक्तिमान से कोई संबंध नहीं है। यह कुछ अलग है। फिल्म से जुड़े सभी अपडेट जल्द ही साझा किए जाएंगे।

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को बताया शक्तिमान के लिए परफेक्ट

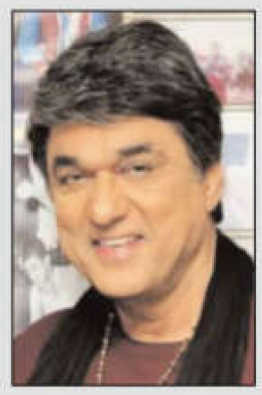

अल्लू अर्जुन के शक्तिमान का रोल करने की चर्चाएं इसलिए भी उठती रहती हैं, क्योंकि मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को इसके लिए सबसे उपयुक्त बताया था। जबकि मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह का शक्तिमान के तौर पर खुला विरोध किया था। साल 2024 में मुकेश खन्ना ने कहा था, 'मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अल्लू अर्जुन शक्तिमान बन सकते हैं।

शरवरी वाघ ने इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं। वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।''

शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।'' उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी

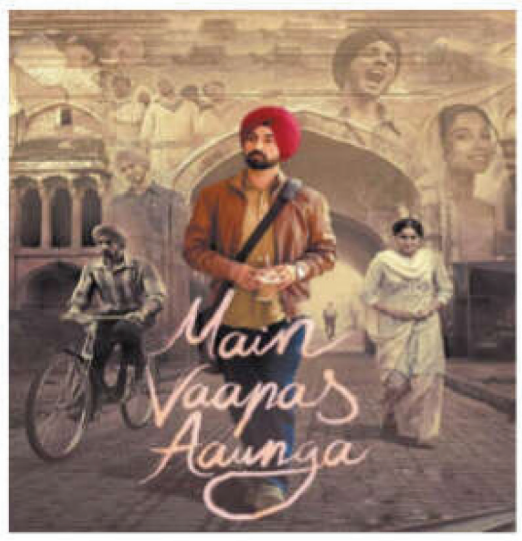

के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है। इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेरी जिंदगी का मंत्र है ऑथेंसिटी इज पावर और मैं ऑथेंटिक ही रहना चाहती हूं

बहुप्रशंसित फिल्म '12वीं फेल' में अपनी अदायगी के लिए सराही गईं ऐक्ट्रेस मेधा शंकर हाल ही में रोमांटिक कॉमिडी फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 में मुख्य भूमिका में नजर आईं। एक खास मुलाकात में हमने उनके फिल्मी सफर, मौजूदा पैप कल्चर, शादी, आदर्श पार्टनर जैसे कई विषयों पर चर्चा की:

लड़कियों को अक्सर कपड़ों, बिंदास एटीट्यूट के लिए जज किया जाता है, जैसा कि फिल्म में गिन्नी के साथ भी होता है। जब आपने ऐक्टिंग को करियर चुना तो घर में क्या प्रतिक्रिया रही? कोई मानदंड भी तय किए गए थे?

मेरे साथ ये हुआ कि दुर्भाग्य से मैं पढ़ने में अच्छी थी। दुर्भाग्य इसलिए क्योंकि मेरे पापा कहते थे कि अरे, ऐक्टर तो वे बनते हैं जो पढ़ाई में कमजोर में होते हैं। तुम्हें क्यों ऐक्टर बनना है? इस चक्कर में मुझे मास्टर्स भी करना पड़ा क्योंकि मेरी रैंक अच्छी आई थी। फिर पापा चाहते थे कि मैं जॉब भी कर लूं पर मैंने कहा कि सॉरी, तो पापा बिल्कुल खिलाफ थे। वैसे भी, जब आप बाहर से आते हैं तो इंडस्ट्री के प्रति नजरिया भी बहुत अच्छा नहीं होता। सबको लगता है कि यहां कुछ गंदा ही होगा मगर जब आप करीब जाते हैं तो लगता है कि यार, ऐसा क्यों बोल रहे थे लोग। ऐसा तो बुरा नहीं है। हालांकि, मेरी मॉम और भाई बहुत सपोर्टिव थे। मॉम को तो लगता था कि उनकी ही बेटी ऐश्वर्या राय है, लेकिन अब पापा की सोच भी बहुत बदल चुकी है।

लड़की होने के नाते शादी को लेकर कभी कोई दबाव रहा?

मेरे घर पर तो इतना कुछ नहीं रहा। हां, 12वीं फेल के पहले रिश्तेदार जरूर थोड़ा कहते थे कि अब शादी कब कर रही हो, मगर मैं इन चीजों को कभी सीरियसली नहीं लेती, जब तक कि मेरे पापा नहीं कहते और पापा की ओर से ऐसा दबाव अब तक नहीं रहा। मेरे पापा की सोच यह है कि अच्छा इंसान मिले तो ही शादी करो। जल्दबाजी में गलत इंसान से शादी नहीं करना, उन्हें यह फिक्र ज्यादा रहती है।

आपके पार्टनर में कौन सी खूबियां होना अनिवार्य है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या है?

मेरे हिसाब से कोई भी पूरी तरह ग्रीन फ्लैग या रेड फ्लैग नहीं होता। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो उसें कुछ खूबियां होंगी, कुछ कमियां भी होंगी। आपको दोनों को अपनाकर प्यार करना होता है। फिर किसी भी रिश्ते में हम थोड़ा ठोंक-पीटकर ही साथ आते हैं। ऐसा नहीं होता कि आप पूरी तरह एक दूसरे में फिट हो जाएं। हां, ये जरूर है कि उसमें बहुत शिद्दत से प्यार करने की क्षमता और रिश्ता निभाने की ताकत हो। मुझे लगता है कि प्यार करना आसान होता है, मगर आज के दौर में वो रिश्ता निभाने की ताकत बहुत कम है।

पैप कल्चर को लेकर क्या अनुभव रहा है?

जब 12वीं फेल इतनी बड़ी हिट हुई थी, तब मेरा कोई पीआर नहीं था, कोई एजेंसी नहीं थी। मुझे लगता है कि ये जो लोगों का रियल प्यार होता है न, वो पीआर फैब्रिकेट नहीं कर सकते हैं। हो सकता है लोग करते हो लेकिन मुझे नहीं पता। मेरे साथ जब हुआ तो मुझे नहीं पता कि वो इतना प्यार कहां से आया, पर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी जिंदगी का एक मंत्र है कि ऑथेंसिटी इज पावर (रियल रहना असल ताकत है) और मैं ऑथेंटिक रहना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मैं जो हूं, कमाल हूं। मुझे कोई और बनने की जरूरत नहीं है। लोग कहते हैं कि ये तो करना ही पड़ता है। मुझे किसी ने बोला कि तुम्हें ज्यादा विजिबल होना पड़ेगा। ये इतना बड़ा शब्द है- विजिबिलिटी और मेरा रिएक्शन था कि किधर विजिबल। मुझे बोला कि लोग रील्स के जमाने में हैं, वे भूल जाते हैं तो मुझे ये बड़ा अजीब लगा कि मैंने 12वीं फेल की है, उसे लोग भूल जाएंगे? मैं रेस्त्रां, जिम या इवेंट से निकलते पैप हो जाऊं, तभी विजिबल हूं तो यह एक ऐसी चीज है जो मैं बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। मैं समझती हूं कि सिलेब्रिटी होने का यह भी एक बहुत बड़ा हिस्सा है लेकिन वो मैं अपने हिसाब से करती हूं जो मुझे सही लगता है।

सहकारिता विभाग में समयबद्ध कार्यों पर जोर, शासन सचिव ने अधिकारियों की टू-डू लिस्ट की समीक्षा

सहकार वन, स्वच्छ सहकार अभियान और भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. समित शर्मा ने सोमवार को शासन सचिवालय में विभागीय अधिकारियों की टू-डू लिस्ट की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से जवाबदेही और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए परिणाम आधारित कार्य संस्कृति विकसित करने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में डॉ. शर्मा ने जयपुर में प्रस्तावित सहकार वन परियोजना के कार्यों में तेजी लाने तथा सहकार जागृति अभियान की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही 'स्वच्छ सहकार, समृद्ध सहकार' अभियान के तहत प्रदेशभर में चल रहे स्वच्छता कार्यों की समीक्षा करते हुए अभियान की अवधि बढ़ाने की आवश्यकता भी जताई। बैठक में विभाग की विभिन्न योजनाओं व परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा करते हुए शासन सचिव ने सहकारी संस्थाओं में रिक्त पदों पर भर्ती, विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, डीपीसी, बायोमीट्रिक उपस्थिति व्यवस्था, भारत टैक्सी परियोजना, गोदाम निर्माण, गोदामों के डब्ल्यूडीआरए पंजीकरण तथा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को इन योजनाओं के क्रियान्वयन में और अधिक गति लाने के निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि टू-डू लिस्ट अधिकारियों को उनके लक्ष्यों के प्रति स्पष्टता प्रदान करती है और विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करती है। उन्होंने प्रत्येक कार्य की वर्तमान स्थिति, आगामी कार्ययोजना, संभावित समयसीमा और अपेक्षित परिणामों की विस्तार से समीक्षा करते हुए प्राथमिकताओं के आधार पर योजनाबद्ध कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विभागीय पहल और योजनाओं का लाभ समय पर आमजन तक पहुंच सके तथा सहकारिता क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

मचकुंड प्रसंग और सुदामा चरित्र से श्रद्धालु भावविभोर

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। सैंपऊ रोड स्थित सिंगारा पैलेस में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का सोमवार को मचकुंड प्रसंग, सुदामा चरित्र, नव योगेश्वर संवाद व शुकदेव पूजन के साथ श्रद्धा और भक्ति भाव के बीच समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिससे पूरा पांडाल भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। कथाव्यास पूज्य सर्वेश प्रपन्नाचार्य महाराज ने धौलपुर के ऐतिहासिक तीर्थराज मचकुंड से जुड़े राजा मुचुकुंद और कालयवन वध प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं में मचकुंड का विशेष महत्व है। कालयवन के अहंकार और उसके अंत की कथा के माध्यम से उन्होंने कहा कि मनुष्य के भीतर मौजूद अहंकार और वासनाओं का नाश केवल प्रभु की शरण में जाने से ही संभव है। कथा के दौरान सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन करते हुए महाराज श्री ने कहा कि सच्ची मित्रता में अमीरी-गरीबी, ऊंच-नीच और स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। भगवान श्रीकृष्ण की ओर से सुदामा का प्रेमपूर्वक स्वागत करने का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावुक हो उठे। भजनों की प्रस्तुति के बीच कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। उन्होंने नव योगेश्वर संवाद पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजा निमि और नौ योगेश्वरों के बीच हुआ संवाद भागवत महापुराण का सार है, जिसमें भगवान की भक्ति को जीवन का सर्वोच्च मार्ग बताया गया है। वहीं शुकदेव पूजन के अवसर पर उन्होंने कहा कि शुकदेव जी महाराज वैराग्य और ज्ञान के प्रतीक हैं तथा उनके जीवन से हमें आध्यात्मिक प्रेरणा मिलती है। कथा के समापन अवसर पर सर्वेश प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल मोक्ष का मार्ग ही नहीं दिखाती, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा देने की प्रेरणा भी प्रदान करती है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से व्यसनमुक्ति, माता-पिता की सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कथा के परीक्षित महाराम शर्मा व उमा शर्मा सहित कमल, विमल, मनीष, यज्ञपति सूतैल, सियाराम शर्मा, गिरीश ब्रह्मा, पवन शर्मा, श्याम, रामू, मुकेश सूतैल एवं अन्य श्रद्धालुओं ने कथा व्यास से आशीर्वाद प्राप्त किया। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भक्ति और आध्यात्मिकता से ओतप्रोत वातावरण में कथा का रसपान किया।

जल संरक्षण से पर्यावरण संवर्धन तक: 'वंदे गंगा' अभियान के तहत 5 जून तक होंगे विविध आयोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले में जल संरक्षण व पर्यावरण संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' के अंतर्गत 2 जून से 5 जून तक विभिन्न जागरूकता व जनभागीदारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी.टी. ने बताया कि अभियान का शुभारंभ 25 मई को किया गया था, जो 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक संचालित रहेगा। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण, पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, स्वच्छता को बढ़ावा देना तथा जल संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता पैदा करना है। अभियान के तहत जिलेभर में विभिन्न विभागों, पंचायतों, नगर निकायों, सामाजिक संस्थाओं व आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

2 जून को जल स्रोतों की सफाई और जनजागरण कार्यक्रम:

अभियान के तहत 2 जून को नदियों, बांधों, सरोवरों एवं नहरों पर पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही नहरों और खालों की सफाई, गाद निकालने, जल उपयोगिता संगम, जल शक्ति अभियान 'कैच द रैन', जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम, नए कार्यों का शिलान्यास, भूमि पूजन, लोकार्पण तथा जल बचत के प्रति जनजागरण गतिविधियां आयोजित होंगी। जल परीक्षण अभियान तथा 'कर्मभूमि से मातृभूमि' कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का अवलोकन भी किया जाएगा।

3 जून को मीडिया राउंड टेबल और नवाचार गतिविधियां:

3 जून को मीडिया प्रतिनिधियों व सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स का फील्ड भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से चिन्हित स्थानों पर विशेष नवाचार कार्यक्रम आयोजित होंगे तथा ट्रांसफार्मरों के आसपास साफ-सफाई अभियान भी चलाया जाएगा। 4 जून को मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.1, 2.2 व 2.3 के तहत पूर्ण कार्यों का अवलोकन व लोकार्पण किया जाएगा। चारागाहों का चिन्हीकरण, पौधारोपण की तैयारी, बीज बैंक गतिविधियां तथा चयनित ग्राम पंचायतों में जल चौपाल आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा सरकारी भवनों में वर्षा जल संचयन संरचनाओं की सफाई, निबंध लेखन, नारा लेखन, चित्रकला, खेलकूद प्रतियोगिताएं व नुक्कड़ नाटक आयोजित कर जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर होगा भव्य समापन:

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन क्षेत्रों में स्थित जल संग्रहण संरचनाओं की सफाई व गाद निकालने का कार्य किया जाएगा। तुलसी के पौधों का वितरण, नर्सरियों में विशेष स्वच्छता अभियान, पौधों की ग्रेडिंग तथा चयनित स्थानों पर ईको-फ्रेंडली आर्ट तैयार की जाएगी। साथ ही नदियों, तालाबों और झीलों की सफाई, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए जनजागरण अभियान और शपथ कार्यक्रम आयोजित होंगे। अभियान के समापन अवसर पर जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले भामाशाहों, संस्थाओं, पंचायतों, नगर निकायों, गैर सरकारी संगठनों, जल योद्धाओं व पथ प्रदर्शकों को 'जल गौरव सम्मान' प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक संध्या का आयोजन कर अभियान का समापन किया जाएगा।

महंगाई, नीट पेपर लीक और बिजली संकट के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन के बीच मानव सेवा की अनूठी पहल बनी चर्चा

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। एक ओर कांग्रेस की हल्ला बोल रैली में महंगाई, नीट पेपर लीक और बिजली कटौती जैसे मुद्दों पर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद हो रही थी, वहीं दूसरी ओर भीषण गर्मी में मानव सेवा का ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने लोगों का दिल जीत लिया। तपती धूप और उमस भरे मौसम के बीच जिला फोटोग्राफर एसोसिएशन सुमेरपुर ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं, आमजन और राहगीरों के लिए जूस, शरबत और शीतल पेयजल की व्यवस्था कर सेवा का अनूठा संदेश दिया। रैली मार्ग पर लगाए गए सेवा शिविर में लोगों को ठंडा पेयजल और जूस वितरित किया गया। तेज गर्मी से परेशान लोगों को जब राहत मिली तो उनके चेहरों पर संतोष और मुस्कान साफ दिखाई दी। कई लोगों ने इसे केवल सेवा नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। राजनीतिक प्रदर्शन के बीच फोटोग्राफर एसोसिएशन की यह पहल लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। जहां मंचों से जनसमस्याओं की आवाज उठ रही थी, वहीं सेवा शिविर में मानवता की मिसाल पेश की जा रही थी। उपस्थित लोगों ने कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह सेवा कार्य किया गया। उनका कहना था कि किसी भी संगठन की पहचान केवल उसके पेशे से नहीं, बल्कि समाज के प्रति उसकी संवेदनशीलता और सेवा भाव से भी होती है। इस

दौरान तगाराम सोलंकी, तगाराम देवड़ा, मुकेश बोराणा, नरपत परिहार, अविनाश सुथार, जीतू सुथार, विक्रम परिहार, विशाल सुथार व धनेश मेवाड़ा सहित फोटोग्राफर एसोसिएशन के कई पदाधिकारी और सदस्य पूरे समय सेवा कार्य में जुटे रहे। उन्होंने रैली में शामिल लोगों और राहगीरों को शीतल पेयजल, शरबत और जूस वितरित कर राहत पहुंचाई।

सेवा बनी पहचान

हल्ला बोल रैली में उठे राजनीतिक मुद्दों के साथ-साथ फोटोग्राफर एसोसिएशन का यह सेवा कार्य भी लोगों के बीच विशेष चर्चा का विषय रहा। भीषण गर्मी में प्यासे लोगों तक शीतल जल पहुंचाने की इस पहल ने यह संदेश दिया कि समाज सेवा का कोई अवसर छोटा नहीं होता और मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

गायत्री शक्तिपीठ धौलपुर ट्रस्ट का पुनर्गठन: नत्थीलाल शर्मा मुख्य ट्रस्टी, धीर सिंह जादौन सहायक मुख्य ट्रस्टी बने

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। गायत्री शक्तिपीठ धौलपुर में सोमवार को आयोजित गोष्ठी के दौरान शांतिकुंज हरिद्वार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ट्रस्ट का पुनर्गठन किया गया। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से एडवोकेट नत्थीलाल शर्मा को मुख्य ट्रस्टी तथा धीर सिंह जादौन को सहायक मुख्य ट्रस्टी नियुक्त किया गया। इसके साथ ही विभिन्न समितियों व 13 सदस्यीय कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शांतिकुंज प्रतिनिधि व पूर्व जिला न्यायाधीश सतीश चंद कौशिक (व्यवस्थापक, पुष्कर जोन) उपस्थित रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में श्याम सिंह, कार्यक्रम व संगठन समन्वयक पुष्कर जोन तथा नरेंद्र जोशी, उप जोन समन्वयक भरतपुर मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक मुख्य ट्रस्टी धीर सिंह जादौन ने की।

शांतिकुंज प्रतिनिधियों की देखरेख में हुए पुनर्गठन में वासुदेव शर्मा, गोपेशराज पचौरी (बाड़ी), मौजीराम कांधिल, अतर सिंह कुशवाह (बसई नवाब), राजेश सिकरवार (मनियां), सीता अग्रवाल व मलखान सिंह सिकरवार को ट्रस्टी नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया। देवालय समिति में श्याम सुंदर शर्मा को संयोजक एवं प्रतिभा गुप्ता को सह-संयोजक बनाया गया। वित्त व विधि समिति में राजेंद्र अग्रवाल तथा एडवोकेट लक्ष्मण सिंह बैंसला को जिम्मेदारी सौंपी गई। आंदोलन समिति के संयोजक मुन्नालाल शर्मा व सह-संयोजक राजीव सक्सेना बनाए गए, जबकि संगठन समिति का संयोजक शिक्षाविद भगवान सिंह मीना तथा सह-संयोजक संजय कमठान को नियुक्त किया गया। मुख्य अतिथि सतीश चंद कौशिक ने कहा कि गायत्री परिवार समाज में नैतिक मूल्यों, संस्कारों और जनजागरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवगठित ट्रस्ट व समितियां संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएंगी। गोष्ठी में कैलाश चंद्र तोमर, नेमीचंद महामना, दक्ष कुमार शर्मा, नौवत लाल कैन, प्रताप सिंह राणा, सुंदर सिंह कुशवाह, दयाकांत सक्सेना, मनोज कुमारी, कमलेश कुमारी, ओमवीर सिंह राजपूत, रामप्रकाश तोमर, प्रभाकर दीक्षित, मुन्नालाल वाटरबॉक्स, कृष्ण कुमार परमार, चंद्रशेखर शर्मा सहित बड़ी संख्या में गायत्री परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में नवनियुक्त मुख्य ट्रस्टी नत्थीलाल शर्मा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प व्यक्त किया।

कम दबाव वाले क्षेत्रों में टैंकरों से जलापूर्ति, अधिकांश मोहल्लों में पेयजल आपूर्ति सुचारू

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। सरमथुरा कस्बे में पेयजल संकट को लेकर प्रकाशित समाचार के बाद जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया है कि शहरी पेयजल योजना के अंतर्गत अधिकांश क्षेत्रों में नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति की जा रही है तथा कम दबाव वाले इलाकों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। अधीक्षण अभियन्ता राजकिरण यादव ने बताया कि भुमिया मठ, पदमपुरा, नई जाटव बस्ती, इस्लामपुरा, साहनीपाड़ा, बैदलपाड़ा व सती चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों का कनिष्ठ अभियन्ता व उपखंड अधिकारी सरमथुरा की ओर से संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि साहनीपाड़ा, इस्लामपुरा और भुमिया मठ के अंतिम छोर पर स्थित कुछ घरों को छोड़कर अन्य मोहल्लों में एक दिन के अंतराल से पर्याप्त दबाव के साथ लगभग 30 मिनट तक नियमित पेयजल आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस्लामपुरा, भुमिया मठ व साहनीपाड़ा के कम दबाव वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन चार टैंकर ट्रिप के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस व्यवस्था का सत्यापन उपखंड अधिकारी की ओर से भी किया गया है, जिससे प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत मिल रही है। विभाग के अनुसार पदमपुरा व नई जाटव बस्ती को अमृत 2.0 योजना के तहत लाभान्वित करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में इन क्षेत्रों में निवासियों के बीच आपसी मतभेद के कारण सर्वसम्मति नहीं बन पाने से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत लोंदा के कुएं में प्रतिदिन दो टैंकर ट्रिप पानी डलवाकर पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जलदाय विभाग ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है और जहां भी आवश्यकता महसूस हो रही है, वहां अतिरिक्त जलापूर्ति की व्यवस्था की जा रही है।

भागवत कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। अग्रवाल सेवा सदन में गोयल परिवार के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा व ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण का लाभ ले रहे हैं। कथावाचक आचार्य श्री राम महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में लोभ, मोह और अहंकार के कारण व्यक्ति मानसिक तनाव और चिंताओं से घिरता जा रहा है, जबकि भक्ति ही जीवन में सच्चा आनंद और शांति प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का नियमित श्रवण व्यक्ति को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है और चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से दूर रखता है। कथा के दौरान श्रीकृष्ण भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से पूरा प्रांगण भक्तिमय

वातावरण में गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर कथा का आनंद लेते रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजक तपेश बंधु ने सभी श्रद्धालुओं व सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

खबर का असर

एनएचएआई और नगर पालिका हरकत में, एनएच-44 के गड्ढे भरे, नालों की सफाई शुरू

जयपुर टाइम्स

मनियां। जनसमस्याओं को लेकर उठाई गई आवाज और मीडिया में प्रमुखता से प्रकाशित खबरों का असर अब धरातल पर दिखाई देने लगा है। धौलपुर जिले के मनियां क्षेत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-44 पर लंबे समय से बने गहरे गड्ढों की मरम्मत कर दी गई है, वहीं नगर पालिका व एनएचएआई ने संयुक्त रूप से नालों की सफाई और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। इससे स्थानीय लोगों, व्यापारियों और वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली है। गौरतलब है कि हाईवे पर बने गहरे गड्ढे आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रहे थे। सड़क की खराब स्थिति के चलते वाहन चालकों को जोखिम उठाकर सफर करना पड़ता था और कई बार जाम की स्थिति भी बन जाती थी। समस्या को लेकर लगातार उठ रही शिकायतों और जनहित में प्रकाशित खबरों के बाद एनएचएआई प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए सड़क की मरम्मत का कार्य पूरा कराया। अब सड़क पहले की तुलना में काफी सुरक्षित और सुगम हो गई है। इसके साथ ही नगर पालिका प्रशासन भी सक्रिय हुआ और एनएचएआई के सहयोग से हाईवे किनारे हुए अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की गई। अतिक्रमण हटने से सड़क मार्ग चौड़ा दिखाई देने लगा है तथा यातायात व्यवस्था में भी सुधार हुआ है। मानसून को देखते हुए हाईवे से जुड़े नालों की सफाई का कार्य भी युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। लंबे समय से अवरुद्ध पड़े नालों में जमा गाद और कचरे को हटाया जा रहा है, जिससे बरसात के दौरान जलभराव की समस्या कम होने की उम्मीद है। नालों की सफाई से स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों ने भी संतोष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि वर्षों से गंदगी और जलभराव की समस्या के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब नालों की नियमित सफाई होने से दुकानों के सामने पानी जमा नहीं होगा और स्वच्छ वातावरण के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी सड़क, नालों और अन्य मूलभूत सुविधाओं के रखरखाव को लेकर इसी प्रकार गंभीरता दिखाई जाएगी, ताकि आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

ब्रज भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल करने की उठी मांग

सरमथुरा में सैकड़ों लोगों ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर/सरमथुरा(निस)। ब्रज भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने और उसके संरक्षण की मांग को लेकर सोमवार को सरमथुरा में जनआक्रोश देखने को मिला। क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों, युवाओं और सामाजिक प्रतिनिधियों ने एकत्रित होकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा तथा ब्रज भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि पूर्वी राजस्थान के धौलपुर, भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर सहित आठ जिलों में बड़ी संख्या में लोग ब्रज

भाषा का प्रयोग करते हैं। ऐसे में यदि राजस्थानी भाषा को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं अथवा प्रशासनिक कार्यों में विशेष प्राथमिकता दी जाती है, तो ब्रज भाषी क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं को प्रतिस्पर्धा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पूर्वी राजस्थान में करीब 12 लाख विद्यार्थी तथा लगभग 4 लाख प्रतियोगी परीक्षार्थी हैं, जिनकी भाषाई पृष्ठभूमि ब्रज भाषा से जुड़ी हुई है। ऐसे में किसी एक क्षेत्रीय भाषा को विशेष महत्व दिए जाने से शिक्षा और रोजगार के अवसरों में असंतुलन पैदा होने की आशंका है। इस दौरान पूर्व विधायक सुखराम कोली ने कहा कि ब्रज, ढूंढाढ़ी, मारवाड़ी, मेवाती और मालवी जैसी बोलियां हिंदी भाषा परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। किसी एक भाषा को बढ़ावा देने के बजाय सभी क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों को समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में स्थानीय भाषाओं को अतिरिक्त विषय के रूप में शामिल किया जा सकता है, ताकि उनकी पहचान और संरक्षण सुनिश्चित हो सके। ज्ञापन में मांग की गई कि ब्रज भाषा के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक महत्व को देखते हुए इसे संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए तथा शिक्षा और प्रशासनिक स्तर पर ब्रज भाषी क्षेत्रों के हितों का विशेष ध्यान रखा जाए। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि ब्रज भाषा केवल एक बोली नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और विरासत का महत्वपूर्ण आधार है। इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी भाषा और संस्कृति से जुड़ी रह सकें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, युवा, विद्यार्थी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। अंत में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपकर ब्रज भाषा को संवैधानिक मान्यता देने की मांग दोहराई गई।

न्यायालय माननीय कर बोर्ड, वाणिज्यिक कर विभाग, अजमेर

वाद संख्या : 2018 / 1614

वाणिज्यिक कर अधिकारी, वृत्त धौलपुर
बनाम
श्री अमित कुमार पुत्र श्री दिनेश कुमार
निवासी :- 192, कोटला, फिरोजाबाद, उ0प्र0

उपरोक्त वाद में माननीय कर बोर्ड, अजमेर का यह समाधान हो गया है कि प्रतिवादी श्री अमित कुमार को साधारण तरीके से समन / नोटिस की तामीली नहीं भी जा सकती है। अतः इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से प्रतिवादी श्री अमित कुमार पुत्र श्री दिनेश कुमार निवासी:- 192, कोटला, फिरोजाबाद, उ0प्र0 को सूचित किया जाता है वह स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 11.06.2026 को माननीय कर बोर्ड, अजमेर में उपस्थित हों ।

निर्धारित तिथि को प्रतिवादी की अनुपस्थिति की स्थिति में मामले की एकतरफा सुनवाई कर निर्णय सुना दिया जावेगा ।।

हस्ताक्षर एवं मुहर
कर बोर्ड, अजमेर

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
02 जून, 2026

पीएमएआर चुनाव में श्रवण कालेर का परचम, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट पद पर शानदार जीत

उद्योग जगत में छाई खुशी की लहर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन राजस्थान के वर्ष 2026-28 के चुनाव में उद्योग जगत के प्रतिष्ठित नाम श्रवण कुमार कालेर ने सीनियर वाइस प्रेसिडेंट पद पर शानदार जीत दर्ज कर अपनी मजबूत स्वीकार्यता का परिचय दिया है। चुनाव परिणाम घोषित होते ही एसोसिएशन सदस्यों व प्लास्टिक उद्योग से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल बन गया। रेक्स पाइप्स एंड केबल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड से जुड़े श्रवण कुमार कालेर को चुनाव में सदस्यों का व्यापक समर्थन मिला। उनकी जीत को उद्योग हितों के प्रति उनकी सक्रियता, अनुभव और नेतृत्व क्षमता का परिणाम माना जा रहा है। चुनाव परिणाम के बाद कालेर ने सभी मतदाताओं, एसोसिएशन सदस्यों, शुभचिंतकों एवं अपनी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे पीएमआर परिवार की जीत है। उन्होंने कहा कि सदस्यों ने जिस विश्वास के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने के लिए वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। कालेर ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य एसोसिएशन को और अधिक मजबूत बनाना, उद्योग से जुड़ी समस्याओं का प्रभावी समाधान करना, सदस्य हितों की रक्षा करना तथा नवाचार एवं तकनीकी विकास को बढ़ावा देना रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से राजस्थान के प्लास्टिक उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उद्योग जगत के कई प्रमुख उद्यमियों और एसोसिएशन सदस्यों ने श्रवण कुमार कालेर को जीत की बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पीएमआर को नई ऊर्जा मिलेगी और संगठन उद्योग की आवाज को और अधिक मजबूती से उठाने में सफल होगा। कालेर ने अपने संदेश में कहा कि आपका विश्वास हमारी जिम्मेदारी है। आइए, हम सभी मिलकर एक मजबूत, आधुनिक और प्रगतिशील पीएमआर का निर्माण करें। उनकी जीत को राजस्थान के प्लास्टिक उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जिससे उद्योग के विकास और संगठनात्मक मजबूती को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मानसून से पहले रतनगढ़ पालिका अलर्ट, नालों व ड्रेनेज सिस्टम की सफाई शुरू

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। आगामी मानसून को देखते हुए रतनगढ़ नगरपालिका प्रशासन ने शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। नगरपालिका की ओर से शहर के भूमिगत एवं बड़े नालों की सफाई का कार्य शुरू करवा दिया गया है, ताकि बरसात के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारू बनी रहे। नगरपालिका अधिशासी अधिकारी डॉ. सहदेव चारण ने बताया कि शहर में राजस्थान अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत स्थापित ड्रेनेज पंप सेटों के चेंबरों व नालों में पॉलीथिन, कचरा और मलबा जमा होने से पानी की निकासी प्रभावित होने की आशंका रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए मानसून पूर्व विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पोस्ट ऑफिस गैनाणी क्षेत्र में स्थित सभी चेंबरों और सम्पवेल टैंकों की सफाई का कार्य प्रगति पर है। इसके बाद परमाणा ताल, हनुमान पार्क सहित अन्य क्षेत्रों में भी नालों और ड्रेनेज व्यवस्था की सफाई करवाई जाएगी। ईओ चारण ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशों की पालना में नगरपालिका की ओर से आपातकालीन उपकरणों को भी पूरी तरह तैयार किया जा रहा है। बरसात के दौरान जल निकासी में उपयोग आने वाले पंप सेट, जनरेटर व मोटरों की सर्विसिंग करवाई जा रही है। साथ ही उपकरणों में तेल-पानी की जांच कर उन्हें सुचारू अवस्था में रखा जा रहा है, ताकि बारिश के समय किसी प्रकार की तकनीकी बाधा उत्पन्न न हो। नगरपालिका प्रशासन का उद्देश्य मानसून के दौरान शहरवासियों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाना तथा जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखना है।

बरसात से पहले जलभराव पर फूटा जनाक्रोश : नगरपरिषद पर धरना

ड्रेनेज-सिवरेज कार्यों की जांच और स्थायी समाधान की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(निस)। आगामी मानसून को देखते हुए शहर में जलभराव और बरसाती पानी की निकासी की समस्या को लेकर मंगलवार को बड़ी संख्या में नागरिक नगरपरिषद कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी करते हुए धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से जलनिकासी की समस्या का स्थायी समाधान करने, सिवरेज एवं ड्रेनेज कार्यों की उच्च स्तरीय जांच करवाने तथा वर्षा पूर्व नालों की समुचित सफाई सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

धरने के दौरान अरविंद विश्वेंद्रा, विजयपाल श्योराण, अनिल माटोलिया, हरीराम, विनोद सेन, बनवारीलाल भार्गव सहित अन्य लोगों ने नगरपरिषद प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शहर को जलभराव की समस्या से मुक्त करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पिछले वर्ष हुई बारिश के दौरान शहरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था और यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो इस बार भी हालात गंभीर हो सकते हैं। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर कार्यवाहक आयुक्त गिरधारीलाल पारीक नगरपरिषद पहुंचे और धरनार्थियों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान अरविंद विश्वेंद्रा ने कहा कि पिछले वर्ष जलभराव के कारण शहर के कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ था। लोगों के घरों और दुकानों तक पानी पहुंच गया था, जिससे आर्थिक और सामाजिक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने मांग की कि इस बार बारिश से पहले स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

विजयपाल श्योराण ने शहर की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग करते हुए कहा कि प्रशासन को केवल अस्थायी उपायों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि दीर्घकालिक योजना बनाकर काम करना चाहिए। वहीं कॉमरेड जगदीश नाथ ने वार्ड संख्या 5 में सिवरेज लाइन से पानी रिसकर सड़कों पर आने की समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत करवाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। श्याम स्वर्णकार ने कहा कि ऐसी व्यवस्थाएं की जानी चाहिए जिससे इस वर्ष किसी भी नागरिक के घर में पानी प्रवेश न करे। कार्यवाहक आयुक्त गिरधारीलाल पारीक ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रशासन मानसून को लेकर पहले से सतर्क है। उन्होंने बताया कि स्थिति से निपटने के लिए करीब दो हजार मिट्टी के कट्टे भरवाए जा चुके हैं तथा नालों की सफाई कार्य का भौतिक सत्यापन भी कराया जा रहा है, ताकि सभी नालों की प्रभावी ढंग से सफाई सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि शहर की जलनिकासी व्यवस्था का अध्ययन करने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा, जिससे वास्तविक स्थिति सामने आ सके और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें। प्रदर्शनकारियों ने आयुक्त को सौंपे ज्ञापन में सिवरेज एवं ड्रेनेज कार्यों की उच्च स्तरीय जांच, जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान, लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई, मुख्य बाजारों के नालों की वर्षा पूर्व सफाई, जल स्रोतों के संरक्षण तथा जलभराव वाले क्षेत्रों की विशेष सफाई कराने की मांग की। धरना-प्रदर्शन के दौरान शहर में हाल ही में शुरू हुए ड्रेनेज कार्यों को लेकर भी चर्चा रही। कुछ लोगों ने ड्रेनेज परियोजना की गुणवत्ता और प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की। वहीं कई नागरिकों का मानना है कि परियोजना को शुरू हुए अभी कुछ ही महीने हुए हैं, ऐसे में जांच की मांग ने शहर में नई बहस को जन्म दे दिया है। फिलहाल नगरपरिषद प्रशासन ने सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करने और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

कोल्ड ड्रिंक पीने से 6 श्रद्धालुओं की बिगड़ी तबीयत

खाटूश्यामजी से लौटते समय सरदारशहर अस्पताल में हुए भर्ती

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। खाटूश्यामजी के दर्शन कर हनुमानगढ़ लौट रहे श्रद्धालुओं के एक दल के छह सदस्यों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी को रविवार देर रात्रि करीब 11 बजे सरदारशहर उप जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर उन्हें भर्ती किया। जानकारी के अनुसार कुल 12 श्रद्धालु दो वाहनों में खाटूश्यामजी से हनुमानगढ़ जा रहे थे। रास्ते में रतनगढ़ के पास भोजन करने के बाद कुछ सदस्यों ने कोल्ड ड्रिंक और फ्रूटी का सेवन किया।इसके कुछ समय बाद छह लोगों को उल्टी, घबराहट और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने लगी। स्थिति बिगड़ने पर उन्हें तत्काल रास्ते के सरदारशहर उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल प्रभारी डॉ चंद्रभान जागिड़ एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ संदीप चाहर ने सभी मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार शुरू किया। प्रभावित लोगों में अनिल, हरीश, कविता, नम्रता और दीनदयाल सहित छह सदस्य शामिल हैं। हनुमानगढ़ निवासी कविता ने बताया कि भोजन के बाद जिन लोगों ने कोल्ड ड्रिंक और फ्रूटी का सेवन किया था उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। जबकि अन्य सदस्य सामान्य रहे। डॉ संदीप चाहर ने बताया कि तेज गर्मी में लोग बिना सावधानी के शीतल पेय पदार्थों का सेवन करते हैं। जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने गर्मी से राहत के लिए छाछ, राबड़ी, नींबू पानी और अन्य पारंपरिक पेय पदार्थों के सेवन को अधिक लाभदायक बताया। फिलहाल सभी मरीज चिकित्सकीय निगरानी में हैं और उनकी स्थिति में सुधार बताया जा रहा है।

बढ़ती महंगाई और बिजली-पानी के संकट को लेकर चूरू में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया विरोध-प्रदर्शन

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। कांग्रेस पदाधिकारियों ने पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस की बढ़ती कीमतों, बिजली-पानी की समस्या और नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय के सामने सोमवार को जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान नगर परिषद् की निवर्तमान सभापति पायल सैनी ने कहा कि आमजन लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से परेशान है। इन बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, मजदूरों, विद्यार्थियों और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है, जिससे जीवन-यापन की लागत बढ़ रही है और आर्थिक संतुलन बिगड़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि चूरू विधानसभा क्षेत्र में बिजली और पेयजल के संकट ने गंभीर रूप ले लिया है। भीषण गर्मी में यह समस्या और भी विकराल रूप धारण कर रही है। जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त, नीट परीक्षा पेपर लीक जैसी घटनाओं ने देश के लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के सपनों को चकनाचूर कर दिया। ऐसी घटनाएं शिक्षा की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। कांग्रेस ने प्रतियोगी परीक्षाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि मेहनती विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय न हो। इस अवसर पर पीसीसी उपाध्यक्ष रियाजत खान, चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, नारायण बालाण, हुसैन निर्बाण, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, रमजान खां, हर्ष लाम्बा, अबरार खां, शिवकुमार शर्मा, असलम खां मोयल, गणेश लाटा, सुभाष, बाबू मंत्री, अंजनी शर्मा, रामचन्द्र सुण्डा, सुरेश शर्मा एईएन, विधाधर मेघवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसान सभा के धरने के बाद बनी सहमति : ढाणियों में 10 दिन में मिलेंगे सिंगल फेस बिजली कनेक्शन

स्मार्ट मीटर नहीं होंगे जबरन लागू, नए ट्रांसफार्मरों के प्रस्ताव भेजने का भी आश्वासन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। क्षेत्र की ढाणियों में सिंगल फेस बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में सोमवार को विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) कार्यालय के बाहर किसानों ने धरना-प्रदर्शन किया। निगम अधिकारियों और किसान प्रतिनिधियों के बीच हुई वार्ता में मांगों पर सकारात्मक सहमति बनने के बाद किसान सभा ने धरना स्थगित कर दिया। किसान सभा के जिला संयुक्त सचिव रामकृष्ण छींपा ने बताया कि क्षेत्र की अनेक ढाणियों में आज भी सिंगल फेस बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं हैं, जिससे भीषण गर्मी के दौर में ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली सुविधा के अभाव में पेयजल व्यवस्था प्रभावित हो रही है तथा पंखों और अन्य घरेलू उपकरणों का उपयोग भी नहीं हो पा रहा है। धरना स्थल पर विद्युत निगम के अधिकारियों व किसान प्रतिनिधियों के बीच विस्तृत वार्ता हुई। वार्ता के दौरान निगम के एक्सईएन ने आश्वासन दिया कि ढाणियों में नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन करने वाले उपभोक्ताओं को 10 दिनों के भीतर सिंगल फेस बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस आश्वासन के बाद किसानों ने राहत महसूस की। वार्ता में किसानों ने सामान्य परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में नए ट्रांसफार्मर लगाने की मांग भी रखी। इस पर अधिकारियों ने कहा कि संबंधित प्रस्ताव तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजे जाएंगे, ताकि आवश्यकता वाले क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके। स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर भी किसानों ने अपनी चिंता जताई। इस पर विद्युत निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी उपभोक्ता पर स्मार्ट मीटर लगाने के लिए कोई दबाव नहीं बनाया जाएगा और सभी कार्य नियमानुसार ही किए जाएंगे। किसान नेताओं ने कहा कि यदि तय समय सीमा में मांगों का समाधान नहीं हुआ तो भविष्य में आंदोलन को फिर से शुरू किया जा सकता है। हालांकि फिलहाल अधिकारियों के सकारात्मक रवैये और आश्वासनों को देखते हुए धरना स्थगित कर दिया गया है। धरने में किसान सभा के तहसील अध्यक्ष भगवानाराम जाखड़, भानीपुरा तहसील अध्यक्ष रामकरण भांभू, मंत्री काशीराम सारण, कोषाध्यक्ष आसाराम सारण, कुमाराम, हजारीराम, ओमप्रकाश बेनीवाल, घीसाराम पोटलिया सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पीएम पोषण योजना पर मुख्य सचिव सख्तः बोले- स्कूलों में पहुंचकर जांचें भोजन की गुणवत्ता, बच्चों को मिले पौष्टिक आहार

953.97 करोड़ की वार्षिक कार्ययोजना को मंजूरी, श्री कृष्ण भोग योजना और 'अतिथि माता' पहल की भी सराहना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने को लेकर राज्य सरकार ने निगरानी और निरीक्षण व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों से कहा है कि वे नियमित रूप से विद्यालयों का भ्रमण कर पीएम पोषण योजना के तहत परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता और स्वच्छता की जांच करें, ताकि बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन मिल सके। सोमवार को सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति (स्टेट स्टीयरिंग कम मॉनिटरिंग कमेटी) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव, अतिरिक्त मुख्य सचिव यूडीएच आलोक गुप्ता, ग्रामीण विकास सचिव कृष्ण कुणाल, खाद्य व नागरिक आपूर्ति सचिव अम्बरीश कुमार, संयुक्त सचिव वित्त डॉ. भारती दीक्षित, आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मलावत, मिड-डे-मील आयुक्त विश्व मोहन शर्मा सहित शिक्षा विभाग एवं पीएम पोषण योजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम पोषण योजना की वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान भारत सरकार की ओर से राजस्थान के लिए स्वीकृत 953.97 करोड़ रुपए की राशि को समिति द्वारा अनुमोदित किया गया। मुख्य सचिव ने योजना के पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए पीएम पोषण योजना के RAJSIMS पोर्टल को तत्काल अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए और इसके लिए नियमित निरीक्षण आवश्यक है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि पीएम पोषण योजना के तहत बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुसार संतुलित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य, पोषण स्तर और शैक्षणिक विकास को मजबूती मिल रही है। योजना के सकारात्मक परिणामों के चलते कुपोषण में कमी आई है, विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति घटी है तथा शिक्षा के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ी है। बैठक में राज्य सरकार की अभिनव श्री कृष्ण भोग योजना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि यह योजना बच्चों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्ष 2025-26 के दौरान योजना के तहत 60 लाख 54 हजार 768 भोजन थालियां परोसी गईं। अधिकारियों ने बताया कि इस नवाचार की सराहना स्वयं प्रधानमंत्री की ओर से भी की जा चुकी है। इसके अलावा बैठक में 'अतिथि माता' पहल की प्रगति की जानकारी भी दी गई। इस पहल के तहत विद्यार्थियों की माताओं एवं महिला अभिभावकों को विद्यालयों में आमंत्रित कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, पोषण मानकों एवं वितरण व्यवस्था का निरीक्षण कराया जाता है। साथ ही उन्हें भोजन का स्वाद एवं गुणवत्ता जांचने के लिए भोजन भी कराया जाता है और उनकी प्रतिक्रिया दर्ज की जाती है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 55 लाख 19 हजार 810 अतिथि माताएं विद्यालयों का भ्रमण कर मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का अवलोकन कर चुकी हैं। बैठक के अंत में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना की नियमित मॉनिटरिंग, तकनीकी अपडेट और जमीनी स्तर पर निरीक्षण को प्राथमिकता दी जाए, ताकि प्रदेश के प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
02 जून, 2026

एक माह से धरना जारी, निवर्तमान पार्षद पहुंचे

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। गांधी चौक पार्क में महापुरूषों की मूर्तियां लगाए जाने की मांग को लेकर लगातार धरना 30 वें दिन भी नगरपरिषद कार्यालय के बाहर जारी रहा। अजय ढ़ेनवाल के नेतृत्व में दिए जा रहे धरने पर अनेक निवर्तमान पार्षदों ने भी शिरकत की और धरने की मांगों को बुलंद किया। इस अवसर पर निवर्तमान पार्षद विजय बटेसर, इकबाल खान, बिलाल भूरान, तरुण सियोता, इस्माइल खान, लियाकत खान, अमजद खान, एडवोकेट सलीम खान आदि ने धरने की मांगों को समर्थन दते हुए प्रशासन से जल्द मांगे माने जाने का निवेदन किया। धरने पर सुरेश लाखन, हरीश कुमार, सोहिल गोपालपुरिया, जगदीश नाथ, हीरालाल तंवर, विजयपाल श्योराण, गोपाल मोयल, आरिफ खान अध्यक्ष नूर नगर वेलफेयर सोसाइटी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष फारूक भुट्टा, प्रीतम सांखला, नेमाराम मंडा, जितेंद्र वाल्मीकि, अर्जुन सियोता, आसिफ खान आदि भी मौजूद रहे।

विधिक जागरूकता मोबाइल वैन को दिखाई हरी झंडी, गांव-गांव पहुंचाएगी कानून की जानकारी

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को तारानगर के अपर जिला व सेशन न्यायाधीश संतोष कुमार मीणा ने विधिक जागरूकता मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एडीजे मीणा ने बताया कि मोबाइल वैन के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों, सरकारी योजनाओं तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह वैन सोमवार को गांव घासला अगुणा व अथुणा तथा मंगलवार को गांव झांझनी और नेठवा में पहुंचकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी। मोबाइल वैन के जरिए ग्रामीणों को बाल विवाह की रोकथाम, वृक्षारोपण, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की विभिन्न योजनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही लोगों को उनके विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। अभियान के दौरान आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के लाभों की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग लोक अदालत के माध्यम से अपने मामलों का त्वरित एवं आपसी सहमति से निस्तारण करवा सकें। इस अवसर पर न्यायालय कर्मचारी, अधिवक्ता व अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

शराब दुकानों पर नियमों की अनदेखी का आरोप, कार्रवाई की मांग तेज

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। क्षेत्र में संचालित शराब दुकानों एवं बारों पर नियमों की अनदेखी किए जाने के आरोपों को लेकर स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। नागरिकों ने आरोप लगाया है कि कई स्थानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूली जा रही है तथा निर्धारित समय सीमा के बाद भी शराब की बिक्री जारी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शराब खरीदने वाले उपभोक्ताओं से भुगतान कई बार अन्य क्यूआर कोड अथवा स्कैनर के माध्यम से लिया जाता है, जिससे लेन-देन की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का आरोप है कि इस प्रकार की व्यवस्था से वास्तविक भुगतान रिकॉर्ड की जांच कठिन हो जाती है। क्षेत्रवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि कई दुकानों पर शराब की दर सूची (रेट लिस्ट) प्रदर्शित नहीं की गई है, जिससे उपभोक्ताओं को वास्तविक कीमत की जानकारी नहीं मिल पाती। विरोध करने या नियमों की जानकारी मांगने पर अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। कुछ नागरिकों ने आरोप लगाया कि आवासीय क्षेत्रों में शराब की दुकानें एवं बार संचालित किए जा रहे हैं, जबकि इसके लिए नियमानुसार अनुमति और मानकों का पालन आवश्यक है। साथ ही बार के समीप ही शराब का भंडारण किए जाने को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। क्षेत्रवासियों ने पुलिस एवं आबकारी विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो आम उपभोक्ताओं के हित प्रभावित होते रहेंगे। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित शराब ठेका संचालकों अथवा आबकारी विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी है

इग्नाइट कोचिंग क्लासेज का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय भोजलाई रोड़ पर इग्नाइट कोचिंग क्लासेज का शुभारंभ रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा, कामरेड रामनारायण रूलानिया ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पूसाराम गोदारा ने कहा कि क्षेत्र में यह अच्छी शुरुआत है और विद्यार्थियों के लिए यह सहायक सिद्ध होगी। कामरेड रामनारायण रूलानिया ने कहा कि किसान मजदूर के बेटे जो पढ़ना चाहते हैं, लेकिन सीकर जयपुर जाकर महंगी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते, वो किसानों के बेटे सुजानगढ़ के कोचिंग क्लास में सस्ती व सुलभ शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। एडवोकेट बनवारी लाल बिजारणिया, पीसीबी स्कूल के प्रिंसिपल रणवीर सिंह, शिक्षक भागीरथ मल पचार, सुरजाराम भाकर आदि ने भी विचार प्रकट किए। इस अवसर पर बंशीधर यादव, रामचंद्र गोदारा, शुभकरण कासनिया, गणेशाराम, रामचंद्र गुलेरिया, संचालक मांगीलाल हुड्डा, मुकेश मंडा, कमलजीत सिंह, हनुमान चौधरी, मदनलाल गोदारा आदि ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

उद्यान विभाग के नए भवन का लोकार्पण, किसान संगोष्ठी आयोजित

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं के उप निदेशक उद्यान विभाग को सोमवार को अपना स्थायी कार्यालय भवन मिल गया। छह कमरों और एक बड़े हॉल से सुसज्जित नवीन भवन का लोकार्पण विधायक राजेंद्र भांबू एवं जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने किया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि नए भवन के निर्माण से विभाग की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा किसानों को योजनाओं और तकनीकी मार्गदर्शन का बेहतर लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कृषि व उद्यानिकी क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने और किसानों के साथ विभाग के सीधा संवाद स्थापित करने में यह भवन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा आंदोलन है। पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन में किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आह्वान किया कि अभियान को निर्धारित अवधि तक सीमित न रखकर प्रत्येक व्यक्ति अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाए। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि नए भवन से किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने जल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पानी का सदुपयोग करें, दुरुपयोग नहीं। प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत प्रगतिशील किसानों की संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने किसानों को 'पर ड्रॉप, मोर क्रॉप' की अवधारणा समझाते हुए पानी की प्रत्येक बूंद से अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने की तकनीकों की जानकारी दी तथा सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लघु व सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों तथा सौर ऊर्जा संयंत्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। किसानों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर आधुनिक जल संरक्षण तकनीकों और कृषि नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने वाले किसानों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ किसानों को चंदन के पौधे वितरित किए गए। दीपिका नर्सरी, सोलाना की ओर से किसानों को चंदन के पौधे उपलब्ध कराए गए। समारोह में उद्यान विभाग के उपनिदेशक डॉ. विजयपाल कस्वा, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजेंद्र लांबा, सहायक निदेशक सुमन कस्वा, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दयानंद, कृषि विस्तार उपनिदेशक डॉ. संध्या ढाका, कृषि अधिकारी डॉ. सुनील कुमार खालिया, डॉ. मुकेश चाहर, डॉ. रवि रेपसवाल, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक बृजेंद्र राठौर, वंदे गंगा अभियान के समन्वयक विशंभर पूनिया, संयोजक राकेश शर्मा, कमलकांत शर्मा, अरूणा सिहाग, दलिप सैनी, पुरुषोत्तम खाजपुरिया सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरविंद फगेड़िया ने किया।

भाजपा शहर मंडल का अनूठा अभियान, ईंधन बचत और जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। भीषण गर्मी के दौर में पक्षियों को राहत पहुंचाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से भाजपा रतनगढ़ शहर मंडल की ओर से वार्ड संख्या 17 स्थित गोगामेड़ी क्षेत्र में परिंडे लगाए गए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पेट्रोल-डीजल की बचत एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए धनमंत्री नगर क्षेत्र में साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व वार्डवासियों ने रतनगढ़ के पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि का पुष्पहार एवं भाजपा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत और अभिनंदन किया। इसके बाद सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की सहभागिता से साइकिल रैली निकाली गई। रैली के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारों से क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया।

पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और ऊर्जा बचत को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ ईंधन की बचत और प्रदूषण नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भाजपा कार्यकर्ता ऐसे जनहितकारी अभियानों के माध्यम से समाज में जागरूकता का कार्य कर रहे हैं।

भाजपा शहर मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए परिंडे लगाना सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन है। वहीं साइकिल रैली के माध्यम से आमजन को पर्यावरण संरक्षण, जल बचत और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

भाजपा जिला प्रवक्ता ओम महर्षि ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प में पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। परिंडे लगाने और साइकिल रैली जैसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं तथा लोगों को प्रकृति और राष्ट्रहित के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराते हैं। कार्यक्रम में भाजपा रतनगढ़ विधानसभा संयोजक अर्जुन सिंह फ्रांसा, शहर मंडल उपाध्यक्ष निरंजन रुन्थला, महामंत्री डॉ. अरुण पंचलगिया, दीपक मुरारका, मंत्री भिवराज प्रजापत सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व वार्डवासी मौजूद रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाई।

गुरु दर्शन को लाडनूं पहुंचा रतनगढ़ का तेरापंथ समाज

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। तेरापंथ श्रावक समाज रतनगढ़ का एक प्रतिनिधि मंडल रविवार को लाडनूं पहुंचा, जहां अध्यक्ष मोतीलाल तातेड़ के नेतृत्व में पूज्य गुरुदेव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर समाज के प्रतिनिधियों ने हाल ही में संपन्न हुए सभा के नए चुनावों की जानकारी गुरुदेव को प्रदान की तथा आगामी चातुर्मास के लिए रतनगढ़ क्षेत्र में चारित्रात्माओं का चातुर्मास करवाने की भावपूर्ण अर्ज प्रस्तुत की। प्रतिनिधि मंडल की ओर से महेन्द्रकुमार तातेड़ ने गुरु चरणों में निवेदन करते हुए बताया कि रतनगढ़ स्थित आदिनाथ भवन सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त एवं साताकारी स्थल है, जहां पूर्व में भी चातुर्मास अत्यंत व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था। उन्होंने इस वर्ष भी आदिनाथ भवन में चातुर्मास आयोजित कराने की विनम्र प्रार्थना की। गुरु दर्शन के दौरान प्रतिनिधि मंडल ने समाज की धार्मिक गतिविधियों व संगठनात्मक कार्यों की जानकारी भी साझा की। गुरुदेव के सान्निध्य में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक प्रेरणा प्राप्त करते हुए समाज व धर्म के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। इस अवसर पर आंचलिक प्रभारी कमलसिंह बैद, मंत्री तेजपालसिंह गुर्जर, सुरेन्द्र श्यामसुखा, सुरेन्द्र बुच्चा एवं बाबूलाल कोचर उपस्थित रहे। युवक परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नीरज बैद, मंत्री राहुल आंचलिया, कोषाध्यक्ष विनीत भूतेड़िया, ऋषभ तातेड़, देवांग तातेड़ एवं अरुण बैद ने भी गुरु दर्शन का लाभ लिया। महिला मण्डल की ओर से अध्यक्षा अनीता बैद, निर्मला तातेड़, हेमलता बुच्चा, सुमन कुंडलिया, अनुपमा तातेड़ सहित अनेक महिलाओं ने उपस्थित होकर गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित की और आशीर्वाद प्राप्त किया।

नगरश्री में साहित्य गोष्ठी में बांधा समां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। लोक संस्कृति शोध संस्थान नगर श्री में रविवार शाम को साहित्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। सचिव श्यामसुन्दर शर्मा ने बताया कि नगर श्री में हर माह के अंतिम रविवार को होने वाली पं. कुंजविहारी शर्मा साहित्य गोष्ठी रविवार को नगर श्री के ट्रस्टी रामगोपाल बहड़ की अध्यक्षता व शायर बनवारीलाल शर्मा 'खामोश' के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुई। मंगल व्यास भारती ने कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए अपनी रचना-पानी की कीमत समझो..., पंकज भार्गव ने अपनी गजल मानी मैंने पढ़े हैं..., पिंटू शर्मा भारतीय ने और भी दुख है मेरे तेरी बेवफाई के सिवा.., मुझे मौत से डर नहीं लगता..., युवा शाइर दीपक कामिल ने अपनी गजल-मोतबर शख्स खोजते हैं आप, लगता है शहर में नये हैं आप..., मेरा रिश्ता दिल ए नादान से है..., संदीप जांगिड़ ने-मैं भीड़ का हिस्सा नहीं..., गीता रावत ने-तुम्हें बनना होगा पीपल वृक्ष सा विशाल.., विजयकांत शर्मा की रचना-हां ये झूठा ही बहाना ही सीख लो लोगों को हंसाना ही सीख लो.., महेश सैनी ने-रात के अंधेरे में दिल के उजालों में खुदगर्जी के ख्यालों में..., डॉ. श्यामसुन्दर शर्मा ने मोहब्बतो में दिखावे की दोस्ती का.., ओमप्रकाश तंवर ने बाल गीत चंदा मामा.., मो. इदरीश खत्री राज ने- मोहब्बत का सिलसिला सा था, अब्दुल मन्नान मजहर ने- प्रार्थना प्रभु विनती है मेरी तुझसे निवेदन मेरा आदि रचनाएं सुनाकर खूब वाहवाही लूटी। कमल सिंह कोठारी ने कॉकरोच पर दोहे सुनाकर खूब समां बांधा। विशिष्ट अतिथि बनवारीलाल शर्मा ने अपनी गजल गुम हो चुका हूं सबको बताऊं भी मैं ही क्या सुनाकर खूब दाद पायी। कार्यक्रम अध्यक्ष रामगोपाल बहड़ ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है, अतः साहित्यकारों को समाज में उचित सम्मान मिलना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कमल सिंह कोठारी ने किया।

रेसा पी प्रधानाचार्यो की पदोन्नति तिथि अंकन के लिए जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। रेसा पी जिला शाखा चूरू की ओर से शिक्षा मंत्री महोदय, अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा जयपुर, निदेशक महोदय माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर को जिलाध्यक्ष रामकुमार खीचड़ के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया गया। जिलाध्यक्ष रामकुमार खीचड़ ने बताया कि सत्र 2015-16 से 2019-20 तक पदोन्नत प्रधानाचार्यों की पदोन्नति तिथि अंकन कार्य आज तक निदेशालय माध्यमिक शिक्षा बीकानेर स्तर पर लंबित है। लगभग 8000 प्रधानाचार्य तिथि अंकन से वंचित हैं,जिससे प्रधानाचार्य वर्ग में असंतोष व्याप्त है। चूरू जिले के समस्त प्रधानाचार्य रेसापी की ओर से अतिरिक्त जिला कलक्टर अर्पिता सोनी को उक्त ज्ञापन दिया। समय रहते उक्त तिथि अंकन यदि नहीं किया जाता है तो प्रदेश के समस्त प्रधानाचार्य रेसा पी 8 जून को शिक्षा निदेशालय बीकानेर पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर रेसला के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भंवर लाल गुर्जर रेसा पी के जिला मंत्री हरिप्रसाद टाक, गोपाल सिंह राघव, विजय कुमार धुंधवाल, हंसा शर्मा,विजय लक्ष्मी शेखावत सुनीता ददरवाल, चंद्रकला, जगदीश प्रसाद प्रजापत, कुलदीप राव,कुलदीप सिंह राठौड़, मोहनलाल अर्जुन, लियाकत अली, भानु प्रकाश शर्मा उपस्थित रहे।

शौचालयों की नियमित सफाई की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नाथोतालाब निवासी बनवारीलाल भार्गव ने प्रशासन को बताया है कि सुजानगढ़ बस स्टैंड पर स्थित शौचालय की नियमित सफाई नहीं हो रही है, जिसके कारण यहां आने जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अतः जल्द से जल्द समस्या का समाधान करवाते हुए नियमित साफ सफाई की व्यवस्था करवाई जाए।

निवर्तमान पार्षदों ने वेतन मांगा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अनेक निवर्तमान पार्षदों ने आयुक्त नगरपरिषद को ज्ञापन देकर बकाया वेतन दिए जाने की मांग की गई है। इस बारे में तरूण सियोता, बिलाल भूरान, इकबाल, लियाकत आदि की ओर से आयुक्त को ज्ञापन देकर बताया गया है कि 7-8 महीनों का वेतन बकाया होने से कई पार्षदों की आर्थिक स्थिति खराब है, इसलिए जल्द से जल्द भुगतान किया जाए।

महिला सिलाई केंद्र का उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय मानव सेवा संस्थान में निःशुल्क महिला सिलाई केंद्र का उद्घाटन डॉक्टर शर्मिला सोनी ने किया। कार्यक्रम में संस्थान समन्वयक माणकचंद सराफ, नोरतनमल छाजेड़, अशोक कुमार, धनराज सिंगोदिया, पवन कुमार शर्मा, राम प्रसाद शर्मा, हंसराज तंवर, कपिल देव माटा, उम्मेदसिंह, हुकमाराम मेघवाल, महिला प्रशिक्षक मधु गुर्जर व अनेक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले महिलाएं उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण की पहली यूनिट 3 माह तक निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करेगी। डॉक्टर शर्मिला सोनी ने कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में संस्था की यह अच्छी पहल है। संचालन मंगलाराम गुर्जर ने किया।

प्रतिभाओं का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय होली धोरा स्थित कायमखानी गेस्ट हाऊस में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। हाजी सुल्तान खान की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में होली धोरा के वरिष्ठ लोगों ने थल सेना में चयनित होने पर सैनिक इमरान खान, शाहरूख खान, रिजवान खान, अब्दुल रहमान,

अध्यापक मो अली खान, शाहरूख खान, सलीम खान, अफसाना खान और एमबीबीएस डॉ. सिमरन खान का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत सूबेदार इकबाल खान, हुसैन खान, अयूब खान, सवाई खान, जोरावर खान, सिकंदर खान, मुमताज खान, रजाक खान, मनवर खान, इस्माइल खान, निवर्तमान पार्षद ईकबाल खान कायमखानी आदि प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

कार्यालय नगर परिषद्, सरदारशहर (जिला चुरू)
Ph. 01564-220681, 220030 Email: eonpsdr@gmail.com

क्रमांक :– न.प.स./2026–27/2681–82 दिनांक :– 22.05.2026

निविदा सूचना सं. 11, 12 वर्ष 2026–27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगर परिषद् सरदारशहर द्वारा 02 कार्यो के लिए ई–निविदा सूचना संख्या 11 वर्ष 2026–27 व 03 कार्यो के लिए निविदा सूचना संख्या 12 वर्ष 2026–27 आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्नानुसार है। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद् सरदारशहर के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है।

S.No.	निविदा संख्या	NIB CODE	UBN CODE
01	ई–निविदा सूचना सं. 11 वर्ष 2026–27	DLB2627A2159	DLB2627WSOB05548
02	ई–निविदा सूचना सं. 11 वर्ष 2026–27	DLB2627A2161	DLB2627WSOB05554 DLB2627WSOB05556 DLB2627WSOB05557

राज.संवाद/सी/26/3817 आयुक्त
नगर परिषद् सरदारशहर

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2026/1614 दिनांक :– 26.05.2026

निविदा सूचना – 2026

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मस से निविदा दिनांक 03.06.2026 को दोपहर 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रतियां दिनांक 03.06.2026 को दोपहर 1:00 बजे तक विक्रय की जावेगी प्राप्त निविदायें उसी दिन उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष सायं 4:00 बजे खोली जावेगी। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक– DLB2627WSOB05858 कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/3813 आयुक्त
नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/स्टोर शाखा/2026/1601 दिनांक :– 26.05.2026

:–ई–निविदा सूचना–2025–26:–

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 11.06.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक DLB2627SLOB05773 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/3814 आयुक्त
नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, चूरू (राजस्थान)

प. लेखा / स्टोर / 2026 / दिनांक 27/5/26

जिला कलक्टर कार्यालय चूरू द्वारा स्टेशनरी सामग्री क्रय करने हेतु बोली सूचना संख्या-3/2026-27 दिनांक 27/5/26 (राशि रू.6 लाख /-) आमंत्रित की जाती है। बोली से संबंधित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. CCH2627GSOB00007

अति. जिला कलक्टर
चूरू

DIPR/C/9478/2026

बाघसरा आथूणा में किसान गोष्ठी आयोजित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कृषि विभाग की ओर से वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत उपखंड अधिकारी के निर्देशों पर गांव बाघसरा आथूणा में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक कृषि निदेशक गोविंद सिंह राठौड़, सहायक कृषि अधिकारी रतनलाल यादव, कृषि पर्यवेक्षक सुमित्रा चौधरी, पूजा वर्मा ने सभी ग्रामीणों व किसानों से जल संरक्षण की अपील की। इसी प्रकार किसानों को फव्वारा ड्रीप पद्धति, डिग्गी में जल संरक्षण करने, रसायनिक खाद का कम उपयोग करने, जैविक खेती आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर फार्म पोंड की 18, पाईप लाइन की 68 प्रशासनिक स्वीकृतियां भी जारी की गई। सोलर उपयोग प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री बनने पर महेंद्र चंदवा का भव्य नागरिक अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा राजस्थान का प्रदेश मंत्री नियुक्त किए जाने पर महेंद्र चंदवा का मंडावा में सर्व समाज की ओर से भव्य नागरिक अभिनंदन व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर चंदवा को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल राजनीतिक व सामाजिक भविष्य की कामना की। इस अवसर पर महेंद्र चंदवा ने सम्मान के लिए सभी समाज बंधुओं, वरिष्ठजनों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि मंडावा क्षेत्र के प्रत्येक कार्यकर्ता, युवा और समाज की उस शक्ति का सम्मान है, जिसने सदैव राष्ट्रहित, समाजहित और संगठनहित को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा में समर्पण और सेवा भावना रखने वाले कार्यकर्ताओं को हमेशा आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महेंद्र चंदवा की संगठन के प्रति निष्ठा, सामाजिक सक्रियता और जनसेवा के कार्यों को देखते हुए उन्हें प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी मिलना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि चंदवा अपनी नई जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन और समाज को नई दिशा देंगे।

समारोह के दौरान पुष्पमालाएं पहनाकर, साफा बांधकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया गया। उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा मंडावा नगर मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, पूर्व सरपंच कमलेश कुहाड़ू, भाजपा नेता संदीप शर्मा, पार्षद संदीप परिहार, पवन सिरसवा, कमल कुमावत, राजेंद्र ठेकेदार, जितेंद्र तोनवाल, रामवतार कुमावत, सचिन कुमावत, हरिराम चेजारा, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष छोटेलाल सैनी, हितेष कुमावत, संदीप सैनी, विकास कुमावत, महेंद्र सैनी, दीपचंद ढाका सहित सर्व समाज के नागरिक, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आदर्श विद्या मंदिर में प्रभारी कार्यशाला का समापन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य प्रभारी गुणवत्ता संवर्धन कार्यशाला का समापन समारोह दीप प्रज्वलन के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्या भारती राजस्थान के कोषाध्यक्ष प्रेमसिंह शेखावत एवं विद्या भारती संस्थान जयपुर के प्रांत मंत्री डॉ. बृजमोहन वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत जिला सचिव त्रिविक्रम अपूर्वा ने किया।अपने उद्बोधन में डॉ. बृजमोहन वर्मा ने 'प्रधानाचार्य की सफलता के मूल्यांकन बिन्दु एवं सेवा, संपर्क, प्रचार' विषय पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि श्रेष्ठ प्रधानाचार्य ही श्रेष्ठ विद्यालयों का निर्माण करते हैं। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण नेतृत्व, समाज से सतत संपर्क एवं सेवाभावी कार्यशैली को विद्यालय की सफलता का आधार बताया।कार्यक्रम में गोपाल पारीक, पुरुषोत्तम मिश्रा, राजकुमार खीरवेवाला मुरारीलाल महर्षि, राजेश कुमार शर्मा, महेंद्र कुमार शर्मा, ओमप्रकाश मील, अशोक कुमार पारीक, सूरजभान बीजला सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। अंत में राजेश कुमार शर्मा ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन मनीष कुमार बेदी ने किया।

वृंदावन में अनिरुद्ध आचार्य से मिला झुंझुनूं प्रतिनिधिमंडल, पुरुषोत्तम मास में गौ सेवा का लिया संकल्प

जयपुर टाइम्स

वृंदावन/झुंझुनूं(निस)। गौरी गोपाल आश्रम वृंदावन के संस्थापक व प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक से झुंझुनूं से पहुंचे धर्म अनुरागी प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा नेता महेश बसावतिया के नेतृत्व में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आचार्य के सान्निध्य में पुरुषोत्तम मास में गौ सेवा का संकल्प लिया।

मुलाकात के दौरान अनिरुद्ध आचार्य ने कहा कि पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) सेवा, साधना और पुण्य अर्जन का विशेष अवसर माना जाता है। उन्होंने बताया कि इस पावन मास में गौ सेवा, चारा दान और गोवंश की देखभाल का विशेष महत्व है और भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित इस माह में किए गए सत्कर्मों का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है। आचार्य ने कहा कि गौ माता को हरा चारा, गुड़ और रोटी खिलाने से भगवान नारायण व श्रीकृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त होती है। उन्होंने गौशालाओं में सेवा व दान को समाज और संस्कृति की सेवा बताते हुए अधिकाधिक लोगों से गौ संरक्षण के कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया। भाजपा नेता महेश बसावतिया ने आचार्य से सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार, सामाजिक जागरूकता और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को मजबूत करने में संत समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुलाकात के बाद प्रतिनिधिमंडल में शामिल डॉ. भावना शर्मा, विनोद स्वामी, सुनील शर्मा व भावेश शर्मा ने आश्रम परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने गौरी गोपाल रसोई, वृद्ध आश्रम, अन्न क्षेत्र, गुरुकुल व बंदर सेवा क्षेत्र में संचालित विभिन्न सेवा कार्यों का अवलोकन किया और आश्रम की ओर से किए जा रहे सामाजिक व धार्मिक कार्यों की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि आश्रम में संचालित सेवा परियोजनाएं समाज के लिए प्रेरणादायक हैं तथा निस्वार्थ सेवा की भावना को बढ़ावा देती हैं। इस अवसर पर सभी ने पुरुषोत्तम मास में गौ सेवा और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

गुरु-शिष्य सम्मेलन में ताजा हुईं यादें, पूर्व छात्रों ने गुरुजनों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मुकुन्दगढ़ मार्ग स्थित होटल उदय बिलास में आयोजित गुरु-शिष्य सम्मेलन भावनाओं, सम्मान और आत्मीयता का यादगार आयोजन बन गया। श्री सनातन धर्म पंचायत विद्यालय के पूर्व गुरुजन और पूर्व छात्र बड़ी संख्या में एकत्रित हुए तथा शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद पूर्व छात्रों ने गुरुजनों का माल्यार्पण, शॉल, साफा व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। सम्मेलन के दौरान शिक्षकों और पूर्व विद्यार्थियों ने विद्यालय जीवन की पुरानी यादें साझा कीं, जिससे सभागार का वातावरण भावुक और उत्साहपूर्ण बना रहा।

वक्ताओं ने कहा कि गुरु केवल शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूर्व छात्रों ने अपनी उपलब्धियों का श्रेय गुरुजनों के मार्गदर्शन को देते हुए विद्यालय और शिक्षकों के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शिष्य को सदैव अहंकार त्यागकर गुरु की ओर से बताए गए आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। प्रवक्ता वी.एस. राठौड़ ने भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को देश की सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य भोलासिंह यादवंशी ने माता-पिता को जीवन का प्रथम गुरु बताते हुए उनके सम्मान और मार्गदर्शन की महत्ता बताई।

इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने पूर्व प्राचार्य भोलासिंह यादवंशी, भंवरपाल धाबाई, सुमेर सिंह, वी.एस. राठौड़, बिशन सिंह राठौड़ एवं सुखपाल सिंह तोमर का स्नेह-पत्र, पुष्पगुच्छ और शाल भेंट कर सम्मान किया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन व स्नेह भोज के साथ हुआ। इस दौरान सुनील सैनी, रसीद राइन, नवीन कुमावत, पवन स्वामी, संदीप धानुका, रामकृष्ण शर्मा, शंकरलाल जांगिड़, अनूप वर्मा, गोपाल शर्मा, नरेश राहड़, राजेश छापोला, पीयूष देवड़ा, नवीन खंडेलवाल, प्रदीप नवहाल, प्रताप सिंह शेखावत, रमेश मिश्रा, शेर सिंह, माजिद खान, महेंद्र सैनी सहित अनेक पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

विभिन्न मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कोतवाली पुलिस ने विभिन्न मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीआई बैगाराम मीण ने बताया कि शादी का झांसा देकर ज्यादती करने के आरोप में बबलू पुत्र दानाराम निवासी मलसीसर को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार दुलिया बास स्थित मंदिर में चोरी करने के आरोप में संतोष कुमार उर्फ कानू लोहिया, वार्ड 37, सुजानगढ़ को नशा मुक्ति केंद्र नोहर से गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकर नकबजनी के आरोपी नदीम उर्फ राजू पुत्र फारूक, निवासी धिंगानिया बास को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

15 दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का समापन, करो योग रहो निरोग का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे योग जन-जागृति अभियान के अंतर्गत नामदेव योग सेवा समिति, राम मंच योग सेवा समिति एवं ऑक्सफोर्ड स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में ऑक्सफोर्ड स्कूल परिसर में 18 मई से नियमित रूप से संचालित 15 दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का सोमवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में सफल समापन किया गया। योग शिविर में बड़ी संख्या में योग साधकों ने प्रतिदिन उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योगाभ्यास किया तथा स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच और जागरूक जीवनशैली का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों ने योग को स्वस्थ्य व संतुलित जीवन का आधार बताते हुए इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में अपनाने का संकल्प लिया। योग शिविर के सफल आयोजन में ऑक्सफोर्ड स्कूल के संचालक भंवरलाल वर्मा एवं उनके सहयोगी हिमांशू पूर्वा, डॉ अविनाश पारीक, डॉ प्रभा पारीक, लिछमा राम दहिया, श्रवण कुमार, अग्रवाल सेवा मंडल के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, रामेश्वर लाल जोशी, गिरधारी लाल सैनी, गोपाल, राकेश अग्रवाल, ओमप्रकाश, सुदेश पूर्वा, रुक्मणी देवी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों और मातृशक्ति ने नियमित योगाभ्यास कर शिविर की गरिमा को बढ़ाया। शिविर में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित योग शिक्षक संत कुमार कौशिक की ओर से विभिन्न योगासन, भस्त्रिका, भ्रामरी, बाह्य प्राणायाम, अनुलोम विलोम तथा षट्कर्म आदि योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया। साथ ही इनकी शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक उपयोगिता एवं लाभों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई। अपने संबोधन में संत कुमार कौशिक ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ्य, सुखी व संतुलित जीवन जीने की संपूर्ण जीवन-पद्धति है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा नियमित योगाभ्यास के माध्यम से निरोगी जीवन का लाभ लेने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने सभी साधकों को योग कक्षाओं को नियमित रूप से संचालित रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि अच्छा स्वास्थ्य ही हमारी सबसे बड़ी और अनमोल धरोहर है। समापन के अवसर पर सभी उपस्थित योग साधकों ने नियमित योग करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन करो योग, रहो निरोग तथा योग अपनाओ, स्वास्थ्य जीवन पाओ जैसे जोशपूर्ण नारों के साथ किया गया। अंत में आयोजकों की ओर से सभी सहयोगियों, अतिथियों व योग साधकों का आभार व्यक्त किया गया। भविष्य में भी इसी प्रकार योग जन-जागृति अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

सात साल से पेयजल संकट से जूझ रहा बीनादेसर, ग्रामीणों का तहसील कार्यालय पर प्रदर्शन

5 दिन में समाधान नहीं हुआ तो महापड़ाव की चेतावनी

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। शहर के निकटवर्ती ग्राम पंचायत बीनादेसर में पिछले सात वर्षों से बनी हुई पेयजल संकट की समस्या को लेकर सोमवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। सरपंच प्रतिनिधि तुलसीराम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण राजलदेसर तहसील कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए राजस्थान सरकार तथा प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की तथा चेतावनी दी कि यदि पांच दिन के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उपखंड कार्यालय के सामने महापड़ाव किया जाएगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बीनादेसर पंचायत में पिछले कई वर्षों से पेयजल आपूर्ति नाममात्र की हो रही है। भीषण गर्मी के इस दौर में लोगों को पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि अधिकांश परिवारों को 1500 से 2000 रुपए खर्च कर निजी टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन बीनादेसर में इन योजनाओं का लाभ धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा। ग्रामीणों के अनुसार जर्मन सहायता प्राप्त योजना के तहत राजलदेसर से बीनादेसर तक पेयजल लाइन स्वीकृत है, लेकिन पाइपलाइन का कार्य केवल बंडवा तक ही पहुंच पाया है। वहीं बीनादेसर में करीब तीन वर्ष पूर्व पानी की टंकी का निर्माण भी हो चुका है, लेकिन आज तक पाइपलाइन कनेक्शन नहीं जुड़ने के कारण टंकी तक पानी नहीं पहुंच पाया है। सरपंच प्रतिनिधि तुलसीराम ने बताया कि पंचायत की ओर से पिछले वर्षों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को लगभग 170 से अधिक पत्र लिखकर समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समय में पेयजल व्यवस्था सुचारू नहीं की गई तो ग्रामीण बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। एडवोकेट श्रीभगवान सारस्वत ने कहा कि बीनादेसर में पेयजल संकट वर्षों से बना हुआ है। उन्होंने स्वयं भी कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को शिकायत पत्र भेजे, लेकिन समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण ग्रामीणों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि बीनादेसर की पेयजल परियोजना को शीघ्र पूरा कर नियमित जलापूर्ति शुरू की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने वालों में एडवोकेट श्रीभगवान सारस्वत, तुलसीराम, डूंगरराम, राजूराम मेघवाल, कालूराम कामरेड, महावीर शर्मा, विक्रम शर्मा, तोलाराम जाट, किसान सभा के भादर भांभू, भीम आर्मी के श्रवण बारूपाल, मेघवाल महासभा के कालूराम तंवर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि आगामी पांच दिनों में पेयजल संकट का समाधान नहीं किया गया तो उपखंड कार्यालय के समक्ष महापड़ाव आयोजित किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

'सम्मान आपके द्वार' अभियान में पेंटर योगेश सोनी का अभिनंदन

अब तक 200 प्रतिभाओं का हो चुका सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शिक्षक दंपति अमर सिंह किशनावत व मनीषा चारण के सौजन्य से संचालित 'सम्मान आपके द्वार' अभियान के तहत सोमवार को जिला मुख्यालय पर पेंटर योगेश सोनी का सम्मान किया गया। समारोह में अभिनेता शिव सिंह चौहान, आयोजक अमर सिंह किशनावत तथा फिल्म निर्माता-निर्देशक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने माल्यार्पण, शॉल ओढ़ाकर, मेडल पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। आयोजक मनीषा चारण ने बताया कि वर्ष 2020 से निरंतर संचालित इस अभियान का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को उनके घर-द्वार पर जाकर सम्मानित करना है। उन्होंने बताया कि अब तक इस अभियान के तहत पत्रकार, साहित्यकार, कलाकार, शिक्षाविद, समाजसेवी, खेल अधिकारी, विद्यार्थियों सहित 200 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि सम्मानित होने वालों में पत्रकार शिवनंदन शर्मा, कवि एवं अभिनेता आशीष गौतम 'आशु', राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कलाकार चौथमल जांगिड़, समाजसेवी देवेंद्र जोशी, प्राचार्य डॉ. एस.के. सैनी, खेल अधिकारी ईश्वर सिंह लाम्बा, प्रधानाचार्य गिरधारी स्वामी, अभिनेता नागेंद्र सिंह शेखावत, अफजल हसन गोरी, पोस्टर डिजाइनर दिनेश कुमार सैनी तथा छात्रा किरण चारण सहित अनेक प्रतिभाएं शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक दंपति के सामाजिक सरोकारों की भी सराहना की गई। बताया गया कि अमर सिंह किशनावत और मनीषा चारण की ओर से विभिन्न सरकारी संस्थानों व सार्वजनिक स्थानों पर हजारों पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि ऐसे सम्मान कार्यक्रम समाज में सकारात्मक कार्य करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हैं और युवाओं को प्रेरणा प्रदान करते हैं।

झुंझुनूं डाइट में बनेगा 13 करोड़ का अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विधायक और कलेक्टर ने किया शिलान्यास

शिक्षक प्रशिक्षण और शैक्षणिक नवाचारों का बनेगा प्रमुख केंद्र

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने झुंझुनूं जिले को बड़ी सौगात देते हुए जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) परिसर में अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए करीब 13 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। सोमवार को इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत बनने वाले नए भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। डाइट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र भांबू एवं जिला कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भारत सरकार की ओर से झुंझुनूं डाइट का चयन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में किए जाने के बाद संस्थान के आधारभूत ढांचे के विकास के लिए 1113.92 लाख रुपये भवन निर्माण तथा 160.65 लाख रुपये अन्य आवश्यक कार्यों के लिए स्वीकृत किए गए हैं। परियोजना के तहत अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एकेडमिक ब्लॉक, छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, इंडोर गेम रूम, ऑडिटोरियम, पार्किंग एवं कैंटीन सहित विभिन्न आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि झुंझुनूं के लिए यह गर्व का विषय है कि शिक्षा मंत्रालय ने राजस्थान की केवल सात डाइट संस्थाओं को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है, जिनमें झुंझुनूं भी शामिल है। उन्होंने बताया कि झुंझुनूं डाइट को देश की चुनिंदा संस्थाओं में स्थान देते हुए स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप प्रोग्राम के लिए भी चयनित किया गया है, जो यहां के नवाचारों और गुणवत्तापूर्ण कार्यों का परिणाम है। जिला कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने कहा कि करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह आधुनिक परिसर अगले एक वर्ष में तैयार होने की संभावना है। इसके निर्माण से शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों को आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनने के बाद शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा सकेंगे। साथ ही एनटीटी जैसे नए पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए जाएंगे, जिससे शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) राजेश मील, डाइट प्राचार्य सुमित्रा, प्राचार्य दामोदर जांगिड़ सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक व लोग उपस्थित रहे।